प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूंनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष–4 | अंक–192 | सांध्य दैनिक | मथुरा, रविवार, 6 सितंबर 2026 | पेज–12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

शपथ पत्र से कक्षा एक में बच्चों को मिलेगा प्रवेश

जन्मतिथि दर्ज करने में अब विद्यालय नहीं बरतेंगे लापरवाही

प्रमाण नहीं होने पर अभिभावक देंगे लिखित घोषणा

यूनिक समय, मथुरा। परिषदीय विद्यालयों में कक्षा एक में बच्चों के प्रवेश को लेकर जन्मतिथि दर्ज करने की प्रक्रिया में अब विशेष सावधानी बरती जाएगी। विद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि छात्र के प्रथम प्रवेश के समय जन्मतिथि को केवल औपचारिक प्रक्रिया मानकर दर्ज न किया जाए। उपलब्ध प्रमाणित अभिलेखों के आधार पर ही जन्मतिथि विद्यालय के रिकॉर्ड में दर्ज की जाएगी।

यदि प्रवेश के समय बच्चे की जन्मतिथि से संबंधित निर्धारित प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं है तो

माता–पिता अथवा अभिभावक के शपथ पत्र के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी। शपथ पत्र में दर्ज जन्मतिथि को अभिभावकों को पूरी जिम्मेदारी के साथ सही जानकारी के आधार पर भरना होगा। बाद में इसी जन्मतिथि को विद्यालय के शैक्षिक अभिलेखों में आधार बनाया जाएगा।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार विद्यालय में पहली बार दर्ज होने वाली जन्मतिथि छात्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है। आगे चलकर इसी विवरण का उपयोग विभिन्न शैक्षिक अभिलेखों में किया जाता है।

हाईस्कूल प्रमाणपत्र सहित अन्य दस्तावेजों में भी जन्मतिथि दर्ज होने के कारण प्रारंभिक स्तर पर गलती होने से विद्यार्थियों और अभिभावकों को भविष्य में संशोधन कराने के लिए परेशानी उठानी पड़ सकती है।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नई व्यवस्था का उद्देश्य जन्मतिथि से संबंधित अभिलेखीय गड़बड़ियों को रोकना है। विद्यालयों को प्रथम प्रवेश के समय अभिभावकों से सही जानकारी लेने और रिकॉर्ड तैयार करते समय पूरी सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। इससे छात्र के शैक्षिक जीवन में जन्मतिथि को लेकर होने वाली विसंगतियों और बाद में संशोधन की मांग पर भी अंकुश लगेगा।

नंदभवन में खूब बरसी खुशियां दधी कांधो के लिए उमड़े श्रद्धालु

रविवार को नंदगांव में आयोजित नंदोत्सव में उमड़े श्रद्धालु।

नंदोत्सव में लीला के दौरान शिव स्वरूप में कलाकार।

नंदभवन में समाज गायन से भक्तिमय हुआ वातावरण

मल्लयुद्ध, शंकर लीला और दधी कांधो ने मोहा मन

यूनिक समय, नंदगांव। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के बाद रविवार को नंदगांव में नंदोत्सव का उल्लास चरम पर पहुंच गया। नंदभवन से लेकर कस्बे की गलियों तक हर ओर बधाई गीत और जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालु 'नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष के बीच कान्हा के जन्म की खुशियां मनाते नजर आए। नंदोत्सव में शामिल होने के लिए बरसाना समेत आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। सुबह बरसाना से गोप नंदगांव पहुंचे। नंदभवन में नंदगांव और बरसाना के समाजियों ने आमने–सामने बैठकर पारंपरिक समाज गायन किया। बधाई गीतों और ब्रज के पारंपरिक पदों की मधुर तान से वातावरण भक्तिमय हो गया। करीब तीन घंटे तक चले समाज गायन में श्रद्धालु भक्ति और आनंद में झूमते रहे। पूरे आयोजन के दौरान नंदभवन में उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा।

नंदगांव के नंदभवन में आकर्षक छवि के साथ विराजमान राधा–कृष्ण।

दही–हल्दी–केसर की दधी कांधो के लिए उमड़ी भीड

उत्सव का उल्लास उस समय और बढ़ गया जब सेवायत दही, हल्दी और केसर से तैयार दधी कांधो लेकर पहुंचे। इसे पाने के लिए श्रद्धालुओं में होड़ सी मच गई। सेवायतों ने परंपरा के अनुसार खिलौने, टॉफियां और वस्त्र भी लुटाए। श्रद्धालुओं को फरुआ और पंजीरी का प्रसाद वितरित किया गया। नंदभवन में उमड़ी भीड़ देर तक कान्हा की भक्ति में सराबोर रही।

भोलेनाथ ने मोर पंख से उतारी कान्हा की नजर

नंदोत्सव के बीच शंकर लीला श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। लीला में भगवान शंकर बालकृष्ण के दर्शन के लिए नंदभवन पहुंचे। यशोदा मैया ने तत्काल दर्शन नहीं कराए तो भोलेनाथ द्वार पर ही धूनी रमाकर बैठ गए। बाद में आग्रह पर भीतर पहुंचकर उन्होंने बालकृष्ण के दर्शन किए और मोर पंखों से कान्हा की नजर उतारी। राई–नमक से भी बुरी नजर दूर करने की परंपरा निभाई गई। इस भावपूर्ण दृश्य ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

मल्लयुद्ध ने बढ़ाया उत्सव का रोमांच

समाज गायन के बाद नंदमहल में पारंपरिक मल्लयुद्ध हुआ। सेवायत गोस्वामियों ने प्रतीकात्मक रूप से अखाड़े में उतरकर कुश्ती की। मुकाबले ने श्रद्धालुओं में खासा उत्साह भर दिया। मल्लयुद्ध समाप्त होने के बाद दोनों पहलवानों ने एक–दूसरे से क्षमा मांगी और गले मिलकर ब्रज की प्रेम परंपरा का संदेश दिया। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक इस परंपरा का आनंद लेते दिखाई दिए। नंदोत्सव में हास–परिहास का रंग भी देखने को मिला। बरसाना के गोप नंदबाबा के जमाई की जय बोलते तो नंदगांव के गोप बृषभानु के जमाई की जयकार करते। इसी दौरान भांड स्वरूप एक गोस्वामी युवक करीब 15 फुट ऊंचे बांस पर चढ़ गया और भगवान कृष्ण–बलराम की ओर मुख कर बधाई पद सुनाने लगा। यह दृश्य देखते ही नंदभवन तालियों और जयकारों से गूंज उठा।

हीरा–जवाहरात से दमके दाऊजी महाराज, दर्शन को उमड़ा सैलाब

रविवार को बलदेव स्थित मंदिर में विराजमान बलदाऊ महाराज, नारियल लुटते श्रद्धालु।

नंदोत्सव पर विशेष श्रृंगार के दर्शन को लगी श्रद्धालुओं की कतार

नारियल प्रसाद लूटने को मची होड़, मल्लों ने दिखाए दांव

यूनिक समय, मथुरा। बलदेव स्थित श्री दाऊजी महाराज मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के बाद रविवार को नंदोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दाऊजी महाराज का विशेष अभिषेक और भव्य श्रृंगार किया गया। भगवान को हीरा–जवाहरात के आभूषण धारण कराए गए। अद्भुत श्रृंगार के दर्शन के लिए सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। पूरे दिन मंदिर परिसर जयकारों से गूंजता रहा। नंदोत्सव पर मंदिर में बधाई समाज गायन का आयोजन भी हुआ। सेवायत और श्रद्धालुओं ने विशेष पदों का गायन किया। भक्ति गीतों के साथ नगर परिक्रमा निकाली गई। श्रद्धालु भक्ति में झूमते हुए दाऊजी महाराज के जयकारे लगाते रहे। उत्सव के दौरान मंदिर परिसर में नारियल और अन्य प्रसाद भी लुटाया गया।

प्रसाद पाने के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला। नारियल लूटने के दौरान मल्ल विद्या का प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र रहा। दाऊजी महाराज को मल्ल विद्या का गुरु माना जाता है। उनके समक्ष मल्लों ने दांव–पेंच और चतुराई का प्रदर्शन करते हुए नारियल प्राप्त किए। सुबह से शाम तक मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की और बोल दाऊजी महाराज की जय के जयघोष से बलदेव का वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने विशेष श्रृंगार के दर्शन कर स्वयं को धन्य माना।

डिलीवरी के मरीज को लेकर दो झोलाछाप अस्पताल संचालक भिड़े

यूनिक समय, फरह। गर्भवती महिला को डिलीवरी के लिए दूसरे अस्पताल ले जाने को लेकर शनिवार शाम गांव परखम में दो झोलाछाप अस्पताल संचालकों के बीच विवाद हो गया। मरीज को लेकर शुरू हुई कहासुनी कुछ ही देर में मारपीट में बदल गई। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों के जुटने से हड़कंप मच गया। मामले में एक झोलाछाप ने थाना में प्रार्थना पत्र देकर मारपीट के आरोप लगाए हैं।

बताया गया है कि कस्बा में रेलवे फाटक पार झोलाछाप चिकित्सक केपी सिंह और अजय कुंतल अपने-अपने निजी अस्पताल संचालित करते हैं। विवाद सिसोदिया पॉली क्लिनिक से एक गर्भवती महिला को डिलीवरी के लिए ले जाने को लेकर शुरू हुआ। इसी मामले में डॉ. केपी सिंह शनिवार शाम करीब छह बजे गांव परखम स्थित डॉ. अजय कुंतल के क्लीनिक पर बातचीत करने पहुंचे।

गांव परखम में दो झोलाछाप चिकित्सकों में हुई मारपीट के दौरान मौजूद ग्रामीण। फोटो इंटरनेट मीडिया।

दोनों के बीच मरीज को लेकर बातचीत चल रही थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर कहासुनी बढ़ गई। आरोप है कि बातचीत के दौरान मामला इतना बिगड़ गया कि दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। अचानक हुए विवाद से क्लीनिक के आसपास अफरा-तफरी मच गई।

मारपीट की जानकारी होने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

कुछ ही देर में काफी संख्या में लोग वहां एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने बीच-

मरीज ले जाने को लेकर कहासुनी, फिर हुई मारपीट

परखम में जुटी ग्रामीणों की भीड़, थाने पहुंचा मामला

बचाव कर मामला शांत कराया। इसी दौरान किसी ने घटना का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया। घटना के बाद अजय कुंतल थाना फरह पहुंचे और प्रार्थना पत्र देकर मारपीट के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही विवाद और मारपीट की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

कैनवास पर उतरेंगी श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाएं

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्णोत्सव के तहत जन्माष्टमी के बाद अब भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाएं रंगों और तूलिका के जरिए कैनवास पर साकार होंगी। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान में सात से नौ सितंबर तक तीन दिवसीय श्रीकृष्ण राष्ट्रीय चित्रांकन शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से आए 20 ख्याति प्राप्त चित्रकार भगवान श्रीकृष्ण, राधा और उनकी दिव्य लीलाओं को अपनी विशिष्ट कला शैलियों में चित्रित करेंगे। इसका शुभारंभ सोमवार को उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी लक्ष्मी नागपाल की उपस्थिति में होगा। गीता शोध संस्थान के समन्वयक सीपी सिंह ने बताया कि शिविर में 16 महिला और चार पुरुष

देशभर के 20 ख्यात चित्रकार जुटेंगे वृंदावन सात सितंबर से गीता शोध संस्थान में शिविर

चित्रकार भाग ले रहे हैं। इनमें पद्मश्री से सम्मानित मधुबनी शैली की प्रसिद्ध चित्रकार शांति देवी और राष्ट्रपति भवन में चित्र प्रदर्शनी लगा चुकीं कंचन प्रकाश प्रमुख हैं। इसके अलावा कई चित्रकार देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों व संस्थानों में कला विभाग में प्रोफेसर हैं। ललित कला अकादमी, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद और विभिन्न मंत्रालयों से जुड़ी कला और डिजाइन संबंधी जिम्मेदारियां संभाल चुके कलाकार भी शिविर में हिस्सा लेंगे।

यमुनापार से महिला लापता

यूनिक समय, मथुरा। जमुनापार थाना क्षेत्र के पैठ निवासी प्रत्यक्ष भटनागर ने अपनी माता मिता के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित पुत्र का कहना है कि मां चार सितंबर की सुबह करीब 7:30 बजे बिना किसी को बताए घर से चली गईं। परिजनों ने रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। लापता महिला की उम्र करीब 43 वर्ष है।

अवैध चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, राया। पुलिस ने चेकिंग के दौरान बरेली हाईवे स्थित बलदेव अंडरपास के पास एक युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान गोविन्द निवासी हाबुड़ा कालोनी कस्बा और थाना राया के रूप में हुई।

किस्त मांगने पर युवक से मारपीट, धमकी

यूनिक समय, मथुरा। जमुनापार थाना क्षेत्र में किस्त जमा करने को लेकर हुए विवाद में एक युवक से मारपीट करने और धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संजय ने बताया कि उसने करीब दस महीने पहले अपनी बैटरी वाली ऑटो राजकुमार को बेची थी। ऑटो की किस्तें जमा करने की जिम्मेदारी राजकुमार की थी, लेकिन उसके द्वारा समय पर किस्त जमा नहीं की जा रही थी। उसने कई बार राजकुमार से किस्त जमा करने के लिए कहा।

दो सितंबर की रात करीब नौ बजे जब वह दिल्ली से घर लौट रहा था, तभी राजकुमार मिल गया। आरोप है कि राजकुमार ने उसे रोककर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर उसके साथ हाथ घूंसों और डंडे से मारपीट की गई। इसी दौरान राजकुमार की पत्नी भी मौके पर पहुंच गई और मारपीट करने लगी।

छेड़छाड़ का विरोध करने पर महिला से मारपीट, नौ पर मुकदमा

यूनिक समय, मथुरा। राया थाना क्षेत्र के मदेम गांव में महिला से छेड़छाड़ और मारपीट के मामले में पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कार्रवाई न्यायालय के आदेश पर हुई। घटना एक जुलाई की शाम की है।

महिला घर का कूड़ा डालने जा रही थी। आरोप है कि गांव के धर्मेंद्र ने रास्ते में उससे छेड़छाड़ की और दोस्ती करने का दबाव बनाया। विरोध करने पर हाथ पकड़कर मारपीट करने का भी आरोप है। महिला ने परिजनों को जानकारी दी। परिजन जब आरोपी के घर शिकायत करने पहुंचे तो आरोप है कि वहां उनके साथ गाली-गलौज की गई और लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला किया गया। ईंट-पत्थर भी फेंके गए। बीच-बचाव करने पहुंचे राजकुमार के हाथ-पैर में चोट लगने की बात कही गई है। पीड़िता के अनुसार, पुलिस से शिकायत के बावजूद रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। 13 जुलाई को एसएसपी से शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद न्यायालय की शरण ली गई। आदेश के बाद पुलिस ने धर्मेंद्र, अमित कुमार, देशराज, ऊ षा, बृजमोहन समेत नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

प्राचीन योगमाया शक्तिपीठ में धूमधाम से मनाया जन्मोत्सव

यूनिक समय, मथुरा। भाद्रपद कृष्ण पक्ष अष्टमी पर प्राचीन योगमाया शक्तिपीठ कंस कारागार जन्मभूमि परिसर में योगमाया जन्मोत्सव श्रद्धा-उल्लास के साथ मनाया गया। भजन-कीर्तन और संकीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए।

मंदिर की महंत इंजी. वंदना पाराशर ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य की लीला से योगमाया का गहरा संबंध है। योगमाया को आदि नारायणी शक्ति और संपूर्ण ब्रह्मांड की अधीश्वरी माना गया है। जन्मोत्सव पर योगमाया का विधि-विधान से पूजन और आकर्षक श्रृंगार किया गया। नंदोत्सव समेत विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान हुए। श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी और महाप्रसाद की व्यवस्था रही। लांगुरों को भोजन कराने के बाद प्रसाद वितरण किया गया। श्री श्याम सेवादार संकीर्तन मंडल ने भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में जयंती प्रसाद अग्रवाल, रविकांत गर्ग, नीरज मंगला, अमित अग्रवाल, नरेंद्र सोनी, प्रशांत, अजय, ममता, मोनी और अंशु आदि मौजूद रहे।

टाउनशिप पर केटीएम-ट्रायम्फ के नए शोरूम का शुभारंभ

टेस्ट राइड के साथ हुआ उद्घाटन, ग्राहकों को मिलेगी बिक्री और सेवा

यूनिक समय, टाउनशिप। रविवार को आगरा- दिल्ली हाइवे स्थित रजत विहार में केटीएम -ट्रायम्फ बाइक के नए शोरूम का शुभारंभ हुआ। पहले दिन ग्राहकों को टेस्ट राइड का मौका भी मिला।

मनोरम ऑटो प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक आरएम कपूर और निदेशक गौरव कपूर ने शोरूम का उद्घाटन किया। प्रबंध निदेशक आरएम कपूर ने बताया कि मनोरम ऑटो प्राइवेट लिमिटेड की ओर से खोले जा रहे इस शोरूम में ग्राहकों को दोनों प्रमुख ब्रांड की मोटरसाइकिलों के मॉडल और सुविधाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। उद्घाटन से पहले दोपहर 12 बजे से टेस्ट राइड एक्सपीरियंस शुरू हुआ। शाम चार बजे उद्घाटन किया गया। शोरूम में ग्राहकों को केटीएम और ट्रायम्फ की विभिन्न मोटरसाइकिलों के साथ बिक्री के बाद की सेवाएं भी उपलब्ध कराने की तैयारी की गई है। इस मौके पर बजाज से जग्नेश अधलखा, रवि यादव, नितेश माहेश्वरी, प्रवीन सिकरवार आदि नागरिक मौजूद रहे।

शोरूम का उद्घाटन करते प्रबंध निदेशक आरएम कपूर और निदेशक गौरव कपूर।

पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय में पुस्तक प्रदर्शनी शुरू

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान में शनिवार को पुस्तक प्रदर्शनी और पुस्तकालय की डिजिटल प्रवेश-निकास व्यवस्था का शुभारंभ किया गया। राजभवन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में आयोजित कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अभिजित मित्र के मार्गदर्शन में हुआ।

'पढ़े विश्वविद्यालय- बढ़े विश्वविद्यालय' अभियान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लगाई गई पुस्तक प्रदर्शनी में विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधार्थियों के लिए उपयोगी पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया। इसमें पशु चिकित्सा विज्ञान, मत्स्य विज्ञान, डेयरी प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, शोध सहित विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकें शामिल रहीं। विश्वविद्यालय पुस्तकालय में डिजिटल

पुस्तक प्रदर्शनी के मौके पर अधिष्ठाता, कुलसचिव आदि।

प्रवेश-निकास प्रणाली भी शुरू की गई। इसके माध्यम से पुस्तकालय में आने और जाने वाले विद्यार्थियों और अन्य उपयोगकर्ताओं का व्यवस्थित डिजिटल अभिलेख तैयार होगा। इससे पुस्तकालय की सेवाओं को अधिक सुगम, पारदर्शी और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और शोधार्थियों को

विद्यार्थियों को उपयोगी पुस्तकों से कराया परिचित

पुस्तकालय में प्रवेश-निकास की डिजिटल व्यवस्था लागू

नियमित पठन-पाठन और स्वाध्याय के लिए प्रेरित किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पुस्तकालय को शैक्षणिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, कुलसचिव, शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विश्वविद्यालय पुस्तकालय की टीम का विशेष योगदान रहा।

सात सितंबर को लगेगा नि :शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

यूनिक समय, वृंदावन। बसेरा ग्रुप के चेयरमैन राम किशन अग्रवाल द्वारा अपने पिता स्व. जयंती प्रसाद अग्रवाल की स्मृति में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन सात सितंबर को गोपाल वाटिका सुवटी देवी स्कूल के निकट, सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक होगा। शिविर में निःशुल्क आंखों की जांच की जाएगी,जरूरतमंद मरीजों को निशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई जाएंगी। मोतियाबिंद से पीड़ित पाए जाने वाले मरीजों को चिन्हित कर उनके निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था भी की जाएगी।

अवर अभियंता को कार से कुचलने वाला आरोपी दबोचा

12 घंटे में पुलिस ने दबोचा, घटना में प्रयुक्त कार बरामद

घायल अवर अभियंता का अस्पताल में चल रहा उपचार

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर पुलिस ने कार से टक्कर मारकर जान से मारने की कोशिश के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त एक्सयूवी-300 कार बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपी दीपक शर्मा उर्फ विशाल (39) पुत्र मधुसूदन निवासी पुष्पांजलि बाग फेस-4 दयालबाग आगरा का रहने वाला है।

पुलिस के अनुसार, 31 अगस्त को दोपहर करीब 12:30 बजे गोकुल रेस्टोरेंट के सामने सर्विस रोड पर ग्रामीण अभियंत्रण सेवा के अवर अभियंता विक्रांत भारती को आरोपी ने कार से टक्कर मारी। आरोप है कि जान से मारने की नीयत से कार चढ़ाने के बाद आरोपी ने आगे और पीछे के दोनों पहियों से उन्हें रगड़ दिया, जिससे वह गंभीर घायल हो गए। घायल विक्रांत का मथुरा के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना को गंभीरता से लेते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देशन में विशेष अभियान दल और थाना गोविंदनगर पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। पुलिस ने सुराग जुटाते हुए आरोपी को छह सितंबर की सुबह करीब 8:05 बजे बिजलीघर के सामने मसानी लिंक रोड से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक्सयूवी-300 कार भी बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ थाना गोविंदनगर में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 109(1), 121(1) और 132 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अजय वर्मा समेत आठ पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस अब घटना के पीछे के कारणों समेत अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

एसपी सिटी राजीव कुमार का कहना है कि आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में जल्द से जल्द आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर मुकदमे की तेजी से सुनवाई कराई जाएगी। आरोपी को रिमांड पर लिया जाएगा।

ट्रैफिक पुलिस ने किए दो लाख 78 हजार 276 वाहनों के चालान

यूनिक समय, मथुरा। ट्रैफिक पुलिस ने बीते तीन माह के अंदर यमुना एक्सप्रेस वे हाइवे सहित दूसरे मार्गों पर दो लाख 78 हजार 276 चालान किए।

यातायात पुलिस कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, ट्रैफिक पुलिस को इन सभी रोडों पर लगे सीसी केमरों के माध्यम से ट्रैफिक नियमों का उलंघन करने वाले वाहन चालकों के ई-चालान किए गए। ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चलाने वालों के चौराहों के अलावा दूसरे स्थानों हाइवे और एक्सप्रेस वे पर लगे केमरों के माध्यम से ई-चालान किए जाते हैं। चालानों की जानकारी ट्रैफिक के ई-चालान कार्यालय को दी जाती है। तीन माह के अंदर वाहनों को ओवर स्पीड चालाने वालों के खिलाफ एक लाख तीन हजार 268 चालान हुए। इसी तरह हेलमेट न लगा कर दो पहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ आठ हजार आठ सौ ग्यारह लोगों के चालान किए गए। सीट बैल्ट लगा कर चार पहिया वाहन न चलाने वालों के खिलाफ भी 673 चालान किए गए। इसके अलावा नो पार्किंग में वाहन खड़ा करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। नो पार्किंग में वाहन खड़े करने वाले वाहनों 18 हजार 557 वाहनों के चालान किए गए। इसके साथ ही वाहन चलाने के दौरान मोबाइल का प्रयोग करने वाले वाहन चलाने वाले 828 लोगों के चालान किए गए।

शादी को लेकर महिला ने लगाए गंभीर आरोप, जांच की मांग

कथित दबाव और उत्पीड़न की निष्पक्ष जांच की मांग

एसएसपी से सुरक्षा उपलब्ध कराने का किया अनुरोध

यूनिक समय, मथुरा। गुरुग्राम निवासी नैन्सी यादव ने अपने लंबित वैवाहिक मामले को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और सुरक्षा की मांग की है। नैन्सी का आरोप है कि 18 दिसंबर 2021 को नीरज यादव के साथ कराया गया विवाह वास्तविक विवाह न होकर पूर्व नियोजित कार्यक्रम था। उन्होंने इसे कथित रूप से स्किट मैरिज बताया है।

नैन्सी का कहना है कि समारोह की वास्तविक प्रकृति के बारे में उन्हें कथित तौर पर गुमराह किया गया। उनका आरोप है कि अब उन पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया जा रहा है, ताकि उक्त विवाह को वास्तविक और कानूनी विवाह के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। उन्होंने नीरज यादव पर अपने माता-पिता और बहन के माध्यम से मानसिक दबाव बनाने का भी आरोप लगाया है। नैन्सी का कहना है कि उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है और दस्तावेज पर हस्ताक्षर के लिए दबाव डाला जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी स्पष्ट अनुमति के बिना कुछ अधिवक्ता उनके लंबित वैवाहिक मुकदमे में उनकी ओर से पेश होकर निर्णय लेने का प्रयास कर रहे हैं। नैन्सी ने कथित वैवाहिक रैकेट की जांच के साथ हाइवे स्थित एक आश्रम से संबंधित धनराशि और कुछ परिवारों के व्यवसायों के बीच संभावित वित्तीय लेन-देन की भी जांच की मांग की है। उन्होंने एसएसपी से शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच कराने, जांच पूरी होने तक उन्हें सुरक्षा देने का अनुरोध किया है।

धारदार चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंद नगर पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, रविवार को पुलिस टीम चौकी डीग गेट क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान महाविद्या कुंड के गेट के पास एक युवक पुलिस टीम को देखकर अचानक पीछे मुड़कर तेज कदमों से जाने लगा। पूछताछ में पकड़े गए युवक ने अपना नाम विशाल निवासी गांव विष्णुपुरा जनपद आगरा बताया।

ससुराल के दरवाजे पर बैठी विवाहिता, बोली-न्याय मिलने तक नहीं हटूंगी

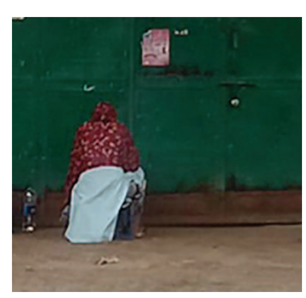

पति-देवर पर गंभीर आरोप

मैनपुरी की युवती से हैं पति के अवैध संबंध जबरन घर से निकालने का आरोप

यूनिक समय, फरह। थाना क्षेत्र के गांव झुड़ावई में रविवार को भी विवाहिता ससुराल के बाहर धरने पर बैठी रही। ससुर और देवर ने उसे घर से निकाल दिया है। आरोप है कि धरने पर बैठी विवाहिता के पति का मैनपुरी की एक युवती से अवैध संबंध हैं, जिसके लिए उसे जबरन तलाक देने का कुचक्र रचा जा रहा है।

पीड़ित ममता राणा का कहना है कि वह दो सितंबर को दोपहर करीब 3:30 बजे अपनी ससुराल झुड़ावई पहुंची थी। आरोप है कि घर पहुंचते ही उसके देवर नेत्रपाल उर्फ नीतू राणा और ससुर राजेंद्र राणा ने उसे जबरन घर से बाहर निकालकर कमरे में ताला लगा दिया। उसने मदद के लिए अपने मायके पक्ष के लोगों को फोन किया। इस दौरान सुरेंद्र सिंह उर्फ बच्चू और बृजेश सिंह निवासी बिचपुरी आगरा, को भी फोन किया गया।

पीड़िता का आरोप है कि उससे 20 लाख रुपये का लालच देकर तलाक लेने का दबाव बनाया गया।

ममता राणा ने आरोपों को खारिज करते हुए ससुराल में ही रहने की इच्छा जताई। उनका कहना है कि इसके बाद देवर नीतू राणा और पति सौरभ राणा ने अभद्रता की और हाथ पकड़कर उन्हें जबरन घर से बाहर सड़क पर निकाल दिया। इसके बाद मुख्य गेट पर ताला लगाकर ससुराल पक्ष के लोग चले गए। पीड़िता दो सितंबर से ससुराल के बाहर बैठकर न्याय की गुहार लगा रही हैं। पीड़िता ने पति सौरभ राणा पर मैनपुरी शहर निवासी ज्योति दुबे से कथित संबंध होने का भी आरोप लगाया है। ममता का कहना है कि पति और ज्योति दुबे के संबंध वर्ष 2013 से है। शादी के बाद से उसे तलाक की धमकियां दी जा रही हैं। सौरभ राणा ने 23 जून 2023 को उससे सामाजिक रीति-रिवाज से शादी की थी। फिलहाल ममता राणा अपने ससुराल के दरवाजे पर न्याय की उम्मीद में धरने पर बैठी हैं।

अवैध शराब के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोविंद नगर थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पकड़े गए युवक से चार लीटर अवैध शराब बरामद करने का दावा किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शाहिल, निवासी गोविन्दकुंड टीला, राधानिवास, कोतवाली वृंदावन के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपी शराब रखने का लाइसेंस भी नहीं दिखा सका।

मांट में सपोर्ट तार में उतरा करंट, भैंस की मौत

यूनिक समय, मथुरा। मांट मूला के डोंढा मोहल्ले में रविवार को बिजली के खंभे के सपोर्ट तार में करंट उतरने से एक भैंस की मौत हो गई। हादसा पथवारी मंदिर के पास हुआ। पशुपालक राजेश पुत्र मोहन सिंह भैंस को पानी पिलाने ले जा रहे थे। इसी दौरान गली में बिजली के खंभे का सपोर्ट तार नीचे लटका मिला। तार में करंट प्रवाहित हो रहा था।

भैंस जैसे ही तार के संपर्क में आई, उसे जोरदार करंट लगा। वह काफी देर तक तड़पती रही और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए।

पशुपालक राजेश ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मामले की जांच कराने और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने मृत भैंस के बदले आर्थिक मुआवजा देने की भी मांग की।

रिमझिम फुहारों से सुहाना हुआ मौसम, गर्मी गायब

रविवार दोपहर बारिश के बीच कृष्णानगर मार्ग से निकलते वाहन।

रविवार दोपहर बारिश के बीच भीगते हुए जाते पिता–पुत्री।

सुबह आंख खुली तो बूंदों ने किया लोगों का स्वागत

ठंडक से चेहरे खिले जलभराव ने बढ़ाई परेशानी

यूनिक समय, मथुरा। रविवार की सुबह जिलावासियों के लिए राहत लेकर आई। नींद से जागे लोगों ने खिड़की से बाहर देखा तो आसमान से रिमझिम फुहारें गिर रही थीं। ठंडी हवा के साथ बूंदाबांदी का सिलसिला रुक–रुककर चलता रहा। लंबे समय से उमस और गर्मी झेल रहे लोगों ने मौसम में आई ठंडक का जमकर आनंद लिया। कई लोग बारिश का नजारा देखने घरों की छतों और बालकनी में पहुंच गए, जबकि बच्चों ने भी फुहारों का खूब लुत्फ उठाया।

सुबह से बादलों की आवाजाही बनी रही और जिले के अलग–अलग क्षेत्रों में हल्की बारिश होती रही। बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। मौसम में बदलाव से बाजारों और सड़कों पर भी चहल–पहल दिखाई दी। गर्मी से परेशान लोग हल्के और खुशनुमा मौसम का आनंद लेते नजर आए।

रविवार को न्यूनतम तापमान 25.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 29.7 डिग्री सेल्सियस रहा। तापमान में कमी आने से लोगों को उमस भरी गर्मी से काफी राहत मिली। शनिवार से ही आसमान में बादल छाए हुए थे, बीच–बीच में बूंदाबांदी होती रही। मौसम विभाग ने आठ सितंबर तक आसमान में बादल छाए रहने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना जताई है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, सोमवार को भी कई क्षेत्रों में बौछार पड़ने की उम्मीद है। बारिश का दौर जारी रहने से किसानों को भी राहत की उम्मीद है।

कैडेट्स ने खुद जोड़ा ड्रोन परखी तकनीकी दक्षता

कैडेट्स द्वारा जोड़े गए ड्रोन को देखते लेफ्टिनेंट कर्नल विश्वनाथ।

लेफ्टिनेंट कर्नल विश्वनाथ ने शिविर में प्रशिक्षण देखा

समय प्रबंधन और अनुशासन को सफलता की कुंजी बताया

यूनिक समय, मथुरा। 11 यूपी बटालियन एनसीसी की ओर से आयोजित सीएटीसी–48 ड्रोन प्रशिक्षण- प्रतियोगिता शिविर के सातवें दिन रविवार को कैडेट्स ने तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। कैडेट्स ने ड्रोन के विभिन्न पुर्जों की पहचान कर उन्हें स्वयं जोड़ते हुए पूरा ड्रोन तैयार किया। इस दौरान उन्होंने ड्रोन के घटकों की कार्यप्रणाली, जोड़ने की विधि और तकनीकी संरचना को समझते हुए असेंबली की प्रक्रिया पूरी की।

प्रशिक्षण के दौरान अलीगढ़ ग्रुप मुख्यालय के प्रशिक्षण अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल विश्वनाथ ने शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने कैडेट्स द्वारा किए जा रहे ड्रोन निर्माण और अन्य गतिविधियों का अवलोकन किया। साथ ही कैडेट्स से बातचीत कर उनके तकनीकी ज्ञान और प्रशिक्षण की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कैडेट्स को निर्धारित लक्ष्य पर लगातार ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया।

लेफ्टिनेंट कर्नल विश्वनाथ ने कहा कि लक्ष्य हासिल करने के लिए समय का उचित प्रबंधन और अनुशासन जरूरी है।

कैडेट्स को दैनिक गतिविधियों की समय–सारिणी बनाकर उसका नियमित पालन करने की सलाह दी। शिविर का नेतृत्व कैंप कमांडेंट कर्नल विकांत त्यागी कर रहे हैं। प्रशिक्षण अधिकारी हुकम सिंह प्रजापति के निर्देशन में कैडेट्स को ड्रोन निर्माण, जोड़ने–खोलने, खराबी पहचानने, संचालन और उड़ान का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

विशेषज्ञ टीम में ड्रोन प्रशिक्षक अनुज कुशवाह, ड्रोन पायलट अंजली यादव और प्राची शामिल हैं।

जिले में 18 केंद्रों पर होगी धान खरीद

बाजरा– मक्का खरीद के लिए बनेंगे 12 केंद्र तय

	पिछले वर्ष का समर्थन मूल्य इस वर्ष का समर्थन मूल्य
धान–	2360– 2441
बाजरा–	2775 –2900
मक्का–	2400 2410

यूनिक समय, मथुरा। जिले में खरीफ विपणन वर्ष में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान, बाजरा और मक्का की खरीद की तैयारी शुरू हो गई है। प्रशासन ने जिले में 30 क्रय केंद्र निर्धारित किए हैं। इनमें धान के 18, बाजरा और मक्का के 12 केंद्र शामिल हैं।

खाद्य एवं विपणन विभाग के अनुसार, धान की खरीद के लिए सबसे अधिक केंद्र बनाए गए हैं, ताकि किसानों को दूर न जाना पड़े। सभी तहसीलों में केंद्र स्थापित किए जाएंगे। केंद्रों का संचालन खाद्य विभाग, पीसीएफ, पीसीयू और भारतीय खाद्य निगम की ओर से किया जाएगा। खरीद एक अक्टूबर से शुरू होने की संभावना है। बाजरा और मक्का की खरीद के लिए 12 केंद्र प्रस्तावित हैं। जिला खाद्य विपणन अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि केंद्रों पर किसानों की सुविधा के लिए छाया, पेयजल, बैठने की व्यवस्था और इलेक्ट्रॉनिक कांटा सुनिश्चित किया जाएगा। भुगतान सीधे किसानों के आधार लिंक खाते में 48 घंटे के भीतर किया जाएगा। इसके के लिए किसानों को पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि खाद्य विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण के बाद ही फसल बेची जा सकेगी। पंजीकरण के लिए खतौनी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक और मोबाइल नंबर जरूरी है। बिचौलियों को रोकने के लिए सख्त निगरानी रहेगी। केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि नमी मापक यंत्र और छनाई के मानकों का पालन करें। किसी भी शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर भी जारी किया जाएगा। वहीं, जिले में धान का रकबा इस बार कुछ कम होने से खरीद लक्ष्य कम होने के आसार हैं।

मोटरसाइकिल चोरी की रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन थाना क्षेत्र के गांव अड़ीग से मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित सुभाष चन्द्र यादव, निवासी 200 एफएफ राधा सिटी थाना हाईवे ने गोवर्धन थाने में तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित ने बताया कि 26 अगस्त को वह मित्र सुरेंद्र के साथ मोटरसाइकिल से खेत पर गए थे। उन्होंने अपनी हीरो सुपर स्प्लेंडर काले रंग की मोटरसाइकिल, खेत के किनारे खड़ी कर दी थी। कुछ देर बाद करीब 2:25 बजे तीन अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिल से वहां पहुंचे और लॉक तोड़कर उनकी बाइक चोरी कर ले गए। शोर मचाने और पीछा करने के बावजूद आरोपी पकड़ में नहीं आ सके।

गरीब के लिए अपना घर बनाना बना बड़ी चुनौती

जमीन खरीद से रजिस्ट्री तक खर्चों का बढ़ता बोझ

किस्त टूटने पर बढ़ जाता है आर्थिक संकट

कर्ज लेने की प्रक्रिया भी आसान नहीं

यूनिक समय, मथुरा। आज के समय में गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवार के लिए अपना मकान बनाना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। जमीन खरीदने से लेकर उसकी रजिस्ट्री, निर्माण सामग्री और कर्ज की अदायगी तक लगातार बढ़ते खर्च परिवार की कमर तोड़ देते हैं। ऐसे में सौ गज जमीन पर छोटा सा मकान बनाना भी आसान नहीं रह गया है। सबसे बड़ी परेशानी तब खड़ी होती है, जब मकान निर्माण के लिए लिया गया कर्ज समय पर नहीं चुक पाता।

शहर में जमीन की कीमत लगातार बढ़ रही है। कई क्षेत्रों में जमीन की कीमत 15 हजार रुपये वर्ग गज या इससे अधिक है। ऐसे में सौ गज का प्लाट खरीदने के लिए ही करीब 15 लाख रुपये की जरूरत पड़ती है। इसके बाद रजिस्ट्री का खर्च अलग से जुड़ जाता है। महिला के नाम रजिस्ट्री कराने पर छह प्रतिशत और पुरुष के नाम कराने पर सात प्रतिशत स्टांप शुल्क देना पड़ता है। बैनामा तैयार कराने, टाइपिंग और आनलाइन प्रक्रिया सहित अन्य खर्च भी जुड़ जाते हैं। इसके अलावा रजिस्ट्री कार्यालय में निर्धारित शुल्क भी जमा करना होता है। इन सभी खर्चों को जोड़ने के बाद जमीन की वास्तविक कीमत काफी बढ़ जाती है।

जमीन खरीदने के बाद मकान बनाने के लिए बैंक से कर्ज लेना भी गरीब परिवारों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है।

बैंक शाखाओं में मकान और वाहन कर्ज के प्रचार जरूर दिखाई देते हैं, लेकिन कर्ज लेने की प्रक्रिया में कई तरह के दस्तावेज और औपचारिकताएं पूरी करनी पड़ती हैं। बैंक द्वारा जमीन के मूल्यांकन के लिए सर्वेयर से जांच कराई जाती है। इसके लिए भी ग्राहक को शुल्क देना पड़ता है। इसके बाद कर्ज की प्रक्रिया में प्रसंस्करण शुल्क समेत अन्य खर्च जुड़ जाते हैं। सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बैंक ब्याज सहित कर्ज की राशि तय करता है। कर्ज मिलने के बाद परिवार पर हर महीने किस्त चुकाने का दबाव शुरू हो जाता है। सीमित आमदनी में घर का खर्च चलाने के साथ नियमित किस्त जमा करना गरीब परिवारों के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है।

किसी महीने आर्थिक स्थिति खराब होने पर किस्त नहीं जमा हो पाती तो जुर्माना और अतिरिक्त शुल्क का बोझ बढ़ सकता है। लगातार भुगतान नहीं होने की स्थिति में बैंक की ओर से नोटिस की कार्रवाई शुरू हो सकती है। समस्या का समाधान नहीं होने पर बैंक नियमों के तहत गिरवी रखी संपत्ति की नीलामी की प्रक्रिया अपना सकता है। इस तरह वर्षों की मेहनत और जमा पूंजी से बनाया गया घर भी आर्थिक संकट की स्थिति में हाथ से निकलने का खतरा रहता है। गरीब परिवार के लिए मकान केवल ईंट–पत्थर की इमारत नहीं, बल्कि जीवनभर की कमाई और भविष्य का सहारा होता है। इसलिए कर्ज की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के साथ निम्न आय वर्ग के लिए सस्ती आवासीय वित्त व्यवस्था की जरूरत महसूस की जा रही है।

कॉलेज के बाहर छात्र से मारपीट, चार के खिलाफ रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। हाइवे स्थित एक कालेज के बाहर छात्र के साथ मारपीट और धमकी देने के मामले में थाना जैत पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस को दी तहरीर में गिरीश चन्द गुधैनिया निवासी जवाहर रोड, कस्बा बलदेव ने बताया कि उनका भाई सार्थक गुधैनिया एक कालेज में एमसीए द्वितीय वर्ष का छात्र है। 25 अगस्त को सार्थक कॉलेज गया था। कॉलेज के बाहर आने पर उसके पीछे से कृष्णा शर्मा और प्रशान्त शर्मा कुछ अन्य युवकों के साथ पहुंचे। आरोप है कि युवकों ने सार्थक के साथ गाली–गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर धारदार हथियार और डंडों से उसके साथ मारपीट की गई। मारपीट में सार्थक के घायल होने पर मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बचाया। हालत गंभीर होने पर एंबुलेंस की मदद से उसे केडी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर–0565–3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

गांगवान सेवा समिति द्वारा आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता का दृश्य।

कबड्डी के अखाड़े में बेटियों ने दिखाया दमखम, रोमांचित हुए दर्शक

यूनिक समय, कोसीकलां। गांगवान सेवा समिति द्वारा महिला और पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता का उद्घाटन रविवार को बठैन गेट स्थित बीपीएल नर्सिंग होम के पास मैदान में बनारस और मुजफ्फर नगर टीम का हाथ मिलवाकर समिति के अध्यक्ष अमित अग्रवाल सीए ने कराया। इसी के साथ दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ हो गया, जो दोनों टीमें के बीच देर सायं तक चलता रहा।

15वीं महिला कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ

समिति के अध्यक्ष अमित अग्रवाल सीए ने खिलाड़ियों से कहा कि कबड्डी हमारे देश की मिट्टी से जुड़ा खेल है। ऐसे आयोजन बेटियों को आगे बढ़ने का मंच देते हैं। आज बेटियां हर क्षेत्र में नाम रोशन कर रही हैं और खेल के माध्यम से उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित होती है।

प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों से आई महिला टीमों ने भाग लिया। पहले दिन हुए मुकाबलों में महिला खिलाड़ियों ने अपने दमखम और शानदार खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया।

कबड्डी के दांव-पेंच देखकर दर्शक रोमांचित हो उठे। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 31 हजार रुपये और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 21 हजार रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर डॉ. महेन्द्र सिंह सांगवान, दिनेश गुर्जर, मोहर्राम चौधरी, विवेक चौधरी, मानू बैनीवाल, सत्यवीर सांगवान सहित गांगवान सेवा समिति के सभी सदस्य, बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

कक्षा नौ और 11 के पंजीकरण की समय सीमा बढ़ी

10 सितंबर तक शुल्क जमा कर विवरण अपलोड होंगे

20 सितंबर तक गलतियों में संशोधन का मौका मिलेगा

यूनिक समय, मथुरा। शैक्षिक सत्र 2026-27 में कक्षा नौ और 11 के संस्थागत विद्यार्थियों के अग्रिम पंजीकरण की समय सीमा बढ़ा दी गई है। शासन से अनुमति मिलने के बाद बोर्ड ने पंजीकरण शुल्क जमा करने, विद्यार्थियों का शैक्षिक विवरण ऑनलाइन अपलोड करने और उसमें संशोधन की नई समय-सारिणी जारी की है। इससे विद्यालयों को पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है।

जिला विद्यालय निरीक्षक राधवेंद्र सिंह ने बताया कि प्रधानाचार्य कक्षा नौ और 11 में अध्ययनरत विद्यार्थियों से 50 रुपये प्रति छात्र पंजीकरण शुल्क प्राप्त करेंगे। इसमें से 40 रुपये प्रति छात्र चालान के माध्यम से राजकीय कोषागार में जमा किए जाएंगे, जबकि शेष 10 रुपये विद्यालय के खाते में रहेंगे।

विद्यालयों को पंजीकरण शुल्क के साथ विद्यार्थियों का शैक्षिक विवरण 10 सितंबर की मध्यरात्रि 12 बजे तक बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड करना होगा। इसके बाद ऑनलाइन अपलोड किए गए विवरण की जांच के लिए चेकलिस्ट प्राप्त होगी। प्रधानाचार्य 11 से 13 सितंबर तक विद्यार्थियों के नाम, माता-पिता के नाम, जन्मतिथि, लिंग, विषय और फोटो सहित अन्य विवरणों का सत्यापन करेंगे। जांच के दौरान किसी प्रकार की त्रुटि सामने आने पर 14 से 20 सितंबर की मध्यरात्रि 12 बजे तक उसमें संशोधन किया जा सकेगा।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि संशोधन की अवधि में किसी नए विद्यार्थी का विवरण अपलोड या स्वीकार नहीं किया जाएगा। पंजीकृत विद्यार्थियों की फोटोयुक्त नामावली और संबंधित कोषपत्र की एक प्रति 30 सितंबर तक जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में जमा करनी होगी।

शिक्षक दिवस पर दो प्रधान अध्यापकों को मिला सम्मान

शैक्षिक उन्नयन और नवाचार में योगदान पर सम्मान

गुणवत्तापूर्ण नामांकन बढ़ाने में निभाई अहम भूमिका

यूनिक समय, मथुरा। शिक्षक दिवस पर बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से डायट सभागार में आयोजित जनपद स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में नगर क्षेत्र के दो प्रधान अध्यापकों रविंद्र कुमार चौधरी और बलवीर सिंह को सम्मानित किया गया। दोनों पूर्व अकादमिक संसाधन व्यक्ति रह चुके हैं और वर्तमान में विद्यालयों में प्रधान अध्यापक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

प्राथमिक विद्यालय गोविंदपुर के प्रधान अध्यापक रविंद्र कुमार चौधरी को विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण नामांकन बढ़ाने, विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर में सुधार और बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सम्मान मिला। उन्होंने विभिन्न नवाचारों के माध्यम से शिक्षण को प्रभावी बनाने के साथ विद्यालय में बालमैत्री वातावरण विकसित करने पर भी जोर दिया। वहीं प्राथमिक विद्यालय कमला नेहरू कन्या के प्रधान अध्यापक बलवीर सिंह ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने, शिक्षण व्यवस्था बेहतर करने और विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियां बढ़ाने में उल्लेखनीय कार्य किया। उनके अकादमिक अनुभव का लाभ विद्यालय के समग्र विकास में भी मिला। सम्मान मिलने पर साथी शिक्षकों, विभागीय अधिकारियों और शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों ने दोनों शिक्षकों को बधाई दी। शिक्षकों ने कहा कि यह सम्मान उन्हें शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और विद्यालयों के विकास के लिए और अधिक प्रेरित करेगा।

स्कॉर्पियो की टक्कर से पिता-पुत्र की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना रिफाइनरी क्षेत्र में शनिवार को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी। हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई, जबकि मां-बेटी गंभीर घायल हो गईं। घटना शनिवार मंगल बाजार कट सर्विस रोड टाउनशिप की है। ग्राम बसेड़ी, धौलपुर निवासी विजय सिंह पुत्र रामविलास अपनी पत्नी सपना, 11 वर्षीय बेटी खुशी और करीब पांच-छह वर्षीय बेटे अभी के साथ बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान स्कॉर्पियो ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। चारों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद स्कॉर्पियो स्वामी सतीश चौधरी निवासी रिफाइनरी टाउनशिप घायलों को नवादा स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। गंभीर हालत में सभी को जयपुर रेफर किया गया। जयपुर ले जाते समय विजय सिंह और उनके बेटे अभी ने दम तोड़ दिया।

शिक्षक राष्ट्र के निर्माता भी : ब्रज किशोर त्रिपाठी

यूनिक समय, वृंदावन। शिक्षक दिवस पर वृंदावन सेवा संस्थान (रजि.) गोपाल वाटिका द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि संस्कार भारती के अध्यक्ष ब्रज किशोर त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों में ज्ञान, संस्कार और अनुशासन विकसित कर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

समारोह में शिक्षा जगत में योगदान देने वाले चंद्र प्रकाश द्विवेदी, बांके बिहारी शर्मा, डॉ. राकेश सारस्वत, श्याम प्रकाश पांडे और कौशल किशोर भट्ट को सम्मान-पत्र एवं स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संस्थान के अध्यक्ष लक्ष्मण सर्राफ ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान ज्ञान और संस्कार की परंपरा का सम्मान है। निदेशक विश्वनाथ गुप्ता ने बताया कि संस्थान शिक्षा, समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण-बालिका सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। संचालन विश्वनाथ गुप्ता ने किया।

योगेश चौधरी बने बल्देव शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष

निर्वाचन के बाद उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक बल्देव के पदाधिकारी आदि।

चंद्रभान मंत्री, विक्रम सिंह कोषाध्यक्ष निर्विरोध चुने

शिक्षक हितों की आवाज मजबूती से उठाने का भरोसा

यूनिक समय, बलदेव। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक बल्देव का निर्वाचन, शैक्षणिक अधिवेशन और शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित हुआ। पर्यवेक्षक विजय कुमार शर्मा की देखरेख में हुई चुनाव प्रक्रिया में सभी पदों पर एक-एक नामांकन आने से पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

योगेश चौधरी को ब्लॉक अध्यक्ष, चंद्रभान सिंह को मंत्री और विक्रम सिंह कोषाध्यक्ष चुना गया।

विश्वेंद्र सिंह 'बिट्टू' वरिष्ठ उपाध्यक्ष, योगेंद्र कुमार संयुक्त मंत्री और कर्मवीर सिंह, दिनेश चंद, सुमित कुमार और दुष्यंत शर्मा उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। ममता चौधरी को महिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। महेश कुमार, ओमप्रकाश अग्रवाल, गौरव कुमार, शैलेष कुमारी और वंदना चौधरी संगठन मंत्री, सुनीता यादव और लक्ष्मी प्रचार मंत्री चुनी गईं। चेतन स्वरूप शर्मा को लेखा परीक्षक, दिनेश चौधरी को संरक्षक, राजकुमार को सलाहकार और करतार सिंह, ठाकुर दुर्गपाल सिंह को मार्गदर्शक बनाया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष योगेश चौधरी ने कहा कि संगठन की मजबूती शिक्षकों की एकजुटता से होगी। शिक्षक साथियों की समस्याओं को हर स्तर पर उठाना और उनके हितों के लिए मजबूती से कार्य करना प्राथमिकता रहेगी। शनिवार को आयोजित चुनाव कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री सत्यपाल चौधरी, ब्लॉक प्रमुख प्रतीक चौधरी, बीडीओ नेहा रावत, खंड शिक्षा अधिकारी गिर्राज सिंह समेत शिक्षक संघ के पदाधिकारी और बलदेव ब्लॉक के सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे। संचालन गौरी शंकर और मुकेश अग्रवाल ने किया।

महंत का विश्वास जीतकर मां-बेटे ने की कथित ठगी

यूनिक समय, वृंदावन। आश्रम के महंत का विश्वास जीतकर मां-बेटे द्वारा कथित ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। कालीदह परिक्रमा मार्ग निवासी महंत राधाकृष्ण दास ने कोतवाली में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। तहरीर के अनुसार, महंत ने करीब 20 दिन पहले सौभरी कुंड के पास आश्रम खरीदा था। देखरेख और सफाई के लिए महाराष्ट्र निवासी गौरी चन्द्रे और उसके बेटे विशाल नामदेव चन्द्रे को काम पर रखा। दोनों ने सेवा के जरिए एक सप्ताह में महंत का विश्वास जीत लिया। इसके बाद महंत ने उन्हें एटीएम से रुपये निकालने की जिम्मेदारी भी दी। आरोप है कि जन्माष्टमी पर मां-बेटा आश्रम से चले गए। उनके खाते से 27 हजार रुपये और आश्रम से पांच हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन भी गायब मिला।

यूजीसी विधेयक के विरोध में महापंचायत, आठ को कलेक्ट्रेट घेरेंगे

कुबेरपुर में जुटे सैकड़ों लोग, आंदोलन की रणनीति को दिया अंतिम रूप

एत्मादपुर लाठीचार्ज पर आक्रोश, दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग

यूनिक समय, आगरा। यूजीसी विधेयक वापस लेने की मांग को लेकर रविवार को कुबेरपुर स्थित गढ़ी रामी एक्सप्रेसवे पुल के नीचे स्वर्ण समाज के लोगों ने महापंचायत की। इसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। महापंचायत में आठ सितंबर को जिला कलेक्ट्रेट पर प्रस्तावित आंदोलन की तैयारियों और रणनीति को अंतिम रूप दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद रहा।

महापंचायत में एक सितंबर को एत्मादपुर में आंदोलनकारियों पर हुए लाठीचार्ज का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा।

वक्ताओं ने कार्रवाई की निंदा करते हुए दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सिस्टम सुधार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंशुमन ठाकुर ने लाठीचार्ज को बर्बरतापूर्ण बताते हुए कहा कि इसका जवाब विधेयक वापस कराने की मांग को मजबूती देकर दिया जाएगा।

वक्ताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए यूजीसी विधेयक वापस लेने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि समाज की मांगों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। महापंचायत में मौजूद लोगों से आठ सितंबर को जिला कलेक्ट्रेट पर होने वाले आंदोलन में बड़ी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया गया। पुलिस ने भी प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं।

अलीगढ़ को जल्द मिलेंगी विकास की तीन बड़ी सौगातें

कमिश्नर ने लिया परियोजनाओं का जायजा अधूरे काम जल्द पूरा करने के दिए निर्देश

यूनिक समय,अलीगढ़। शहरवासियों को जल्द ही तीन प्रमुख विकास परियोजनाओं की सौगात मिलने वाली है। रविवार को मंडलायुक्त ओपी आर्य ने नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के साथ मुख्यमंत्री ग्रिड रामघाट रोड, नौरंगीलाल इनडोर खेल स्टेडियम और बारहद्वारी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स एवं बहुमंजिला वाहन पार्किंग का निरीक्षण किया। उन्होंने परियोजनाओं में बची कमियों को जल्द दूर कर उद्घाटन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ग्रिड रामघाट रोड के पहले चरण के तहत करीब 17.47 करोड़ रुपये की लागत से मीनाक्षी पुल से क्वारसी थाने तक 2.65 किलोमीटर सड़क बनाई गई है। पांच वार्डों से होकर गुजरने वाली इस सड़क से यातायात व्यवस्था में सुधार के साथ जलभराव की समस्या से भी राहत मिलने की उम्मीद है।

नौरंगीलाल इनडोर खेल स्टेडियम करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। छह हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में बने स्टेडियम में खिलाड़ियों के लिए लॉकर, वस्त्र बदलने के कक्ष, अतिथि कक्ष, खेल कार्यालय और दर्शक दीर्घा जैसी सुविधाएं हैं। यहां बास्केटबॉल, बैडमिंटन, तैराकी, योग और व्यायाम की सुविधा उपलब्ध होगी।

बारहद्वारी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स एवं बहुमंजिला वाहन पार्किंग परियोजना पर करीब 49.89 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पहले चरण में सात दुकानों का आवंटन कर 1.75 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त किया जा चुका है।

सांसद ने बस में परखी बुजुर्ग महिलाओं की मुफ्त यात्रा

लाभार्थियों से बातचीत कर जानी सुविधाएं अनुभव और सुझाव

सम्मानजनक और सुरक्षित यात्रा पर जोर

यूनिक समय, हाथरस। सांसद अनूप प्रधान ने अलीगढ़ से हाथरस जाते समय सासनी के पास रोडवेज बस में यात्रा कर 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए संचालित मुफ्त यात्रा सुविधा का जायजा लिया। उन्होंने बस में मौजूद लाभार्थी महिलाओं से बातचीत कर योजना के तहत मिल रही सुविधाओं और उनके अनुभवों की जानकारी ली।

महिलाओं ने मुफ्त यात्रा सुविधा को बुजुर्गों के लिए उपयोगी और सुविधाजनक बताया। उन्होंने कहा कि योजना से आने-जाने में काफी सहूलियत मिल रही है। सांसद ने महिलाओं के सुझाव भी सुने और योजना के क्रियान्वयन को लेकर जानकारी ली। सांसद अनूप प्रधान ने कहा कि योजना का उद्देश्य वरिष्ठ महिलाओं को सम्मानजनक, सुगम और सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराना है। मुफ्त यात्रा से महिलाओं को अपने जरूरी कामों के लिए आने-जाने में सुविधा मिल रही है और आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने परिवहन अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि योजना का लाभ पात्र महिलाओं तक सही तरीके से पहुंचना चाहिए। साथ ही यात्रा के दौरान महिलाओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका भी ध्यान रखा जाए।

आगरा में बूंदाबांदी से मिली राहत

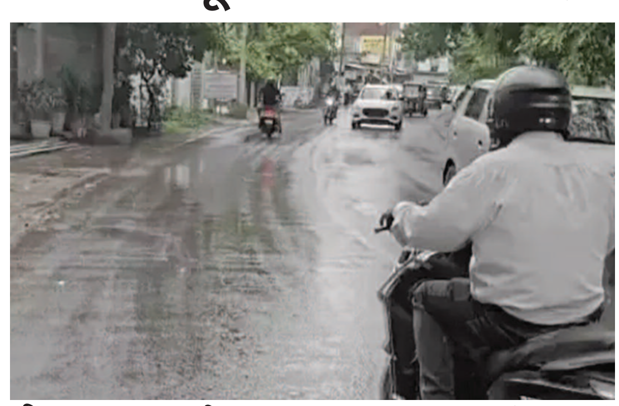

तापमान गिरा, सोमवार से बारिश थमने के आसार छाए रहेंगे बादल

24 घंटे में 33.3 मिलीमीटर बारिश

यूनिक समय, आगरा। रविवार सुबह से आगरा में बूंदाबांदी जारी रही। इससे उमसभरी गर्मी से लोगों को राहत मिली और मौसम सुहावना हो गया। मौसम विभाग ने दिन में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए पीली चेतावनी जारी की है। पिछले चार दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण जिले में अब सामान्य से तीन प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज हो चुकी है।

मौसम विभाग के अनुसार अब तक 459.3 मिलीमीटर सामान्य बारिश के मुकाबले 472 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है। पिछले 24 घंटे में 33.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य से 553 प्रतिशत अधिक है। बारिश के चलते तापमान में भी गिरावट आई है। शनिवार को अधिकतम तापमान 30.7 और न्यूनतम 25.3 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार से बारिश या बूंदाबांदी की संभावना कम है। 11 सितंबर तक आसमान में बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन वर्षा के आसार नहीं हैं। बारिश थमने के बाद तापमान में दोबारा बढ़ोतरी होने की संभावना है।

घर के बाहर खेल रहे चार बच्चों पर टूट पड़े आवारा कुत्ते

अचानक हमला कर चारों को काटकर किया घायल, गांव में मची अफरातफरी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हुआ उपचार, एंटी रैबीज टीका लगाया

यूनिक समय, हाथरस। सासनी कोतवाली क्षेत्र के सठिया गांव में रविवार दोपहर घरों के बाहर खेल रहे चार बच्चों पर आवारा कुत्ते ने अचानक हमला कर दिया। कुत्ते के काटने से चारों बच्चे घायल हो गए। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और किसी तरह कुत्ते को वहां से भगाया। इसके बाद चारों बच्चों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सासनी ले जाया गया।

घायल बच्चों में मुकेश की चार वर्षीय बेटी इच्छा, कन्हैया लाल की छह वर्षीय बेटी लक्ष्मी, विजयपाल का पांच वर्षीय बेटा शिवा और मोहनलाल की ढाई वर्षीय बेटी वर्तिका शामिल हैं। बताया गया कि सभी बच्चे अपने-अपने घरों के बाहर खेल रहे थे। इसी दौरान वहां पहुंचे आवारा कुत्ते ने अचानक बच्चों पर हमला कर दिया और उन्हें काटकर घायल कर दिया।

बच्चों की आवाज सुनकर आसपास के लोग तत्काल मदद के लिए पहुंचे। परिजनों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी, जिसके बाद सभी बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद चारों बच्चों को एंटी-रैबीज टीका लगाया।

घटना के बाद गांव में आवारा कुत्तों को लेकर दहशत का माहौल है। अभिभावक बच्चों को घर से बाहर भेजने में भी सतर्कता बरत रहे हैं।

सिगरेट की डांट से डरा नेशनल खिलाड़ी, मुंबई में करता मिला मजदूरी

अलमारी में सिगरेट मिलने पर आरएसओ ने लगाई थी फटकार

डरकर हॉस्टल छोड़कर चला गया था वंश

रेलवे स्टेशन के कैमरों से मिली अहम कड़ी, दोस्त को भेजे संदेश से मुंबई का पता चला

यूनिक समय, आगरा। एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम के छात्रावास से 31 जुलाई को रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुआ टेबल टेनिस का राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी वंश आखिरकार मुंबई में सकुशल मिल गया। पुलिस टीम उसे मुंबई से आगरा लेकर पहुंची। पूछताछ में सामने आया कि छात्रावास में उसकी अलमारी से सिगरेट मिलने के बाद क्षेत्रीय खेल अधिकारी ने उसे डांट दिया था। इससे डरकर वंश हॉस्टल से निकल गया था और घर लौटने के बजाय दूसरे शहरों में भटकता रहा।

शाहगंज क्षेत्र के नगला छौंआ निवासी शैलेश का बेटा वंश लापता होने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की थी। जांच के दौरान आगरा कैंट रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी कैमरों में वह दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने आगरा से आगे रेलवे मार्ग में आने वाले संभावित स्टेशनों और अन्य स्थानों के कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की।

तलाश के बीच पुलिस को पता चला कि वंश ने अपने एक दोस्त से फोन पर संपर्क किया है। इसके बाद उसने किसी दूसरे युवक के मोबाइल से दोस्त को सामाजिक माध्यम पर संदेश भेजा। इसी संदेश के आधार पर पुलिस को उसकी मुंबई में मौजूदगी की जानकारी मिली। सुराग पुख्ता होने पर पुलिस टीम मुंबई पहुंची और उसे सुरक्षित बरामद कर लिया।

पूछताछ में वंश ने बताया कि वह आगरा से ट्रेन के जरिये पहले मथुरा पहुंचा। इसके बाद उज्जैन और इंदौर होते हुए मुंबई चला गया। मुंबई पहुंचने के बाद वह कुछ युवकों के साथ रहने लगा और अपने खर्च के लिए मजदूरी करने लगा। अपर पुलिस उपायुक्त हिमांशु गौरव ने बताया कि वंश को सकुशल बरामद कर लिया गया है। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे बाल देखभाल केंद्र भेजा जा रहा है। वहां से उसे किशोर न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। न्यायालय के निर्देश के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मारपीट में खौलती कढ़ाई में गिरे दो हलवाई, झुलसे

यूनिक समय, हाथरस। नयागंज बाजार में रविवार सुबह दो हलवाइयों के बीच मारपीट हो गई। धक्का-मुक्की के दौरान दोनों खौलती कढ़ाई में गिरकर झुलस गए। दोनों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चेतराम की हालत गंभीर होने पर अलीगढ़ रेफर किया गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुविचार

छोटे कदमों से शुरुआत करो निरंतरता तुम्हें बड़ी सफलता तक जरूर पहुंचाएगी।

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी	07:29-05:04 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	पुर्नवसु	07:52-06:14 तक	माह	भाद्रपद
सूर्योदय		6:11 AM	चन्द्रोदय	01:36 AM
सूर्यास्त		6:39 PM	चंद्रास्त	05:59 PM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त		12:03PM –12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:35-05:23
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		07:44 AM: 09:18 AM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

कुंडली में शनि मजबूत हैं तो खुलते हैं धन के द्वार

मेहनत के बाद मिलती सफलता, जमीन जायदाद का लाभ

न्यायप्रिय स्वभाव अनुशासन और लंबी आयु के संकेत

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में शनि को कर्म, न्याय, आयु, परिश्रम और स्थायी संपत्ति से जुड़ा ग्रह माना जाता है। सामान्य धारणा में लोग शनि का नाम सुनकर डर जाते हैं, लेकिन ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार कुंडली में शनि शुभ और मजबूत

स्थिति में हो तो व्यक्ति को धीरे–धीरे बड़ी सफलता मिल सकती है। ऐसे लोगों को धन, संपत्ति और सम्मान मिलने के साथ जीवन में स्थिरता भी आती है। पहला संकेत जमीन–जायदाद से जुड़ा है। मजबूत शनि वाले व्यक्ति को पैतृक संपत्ति का लाभ मिलने और मेहनत से मकान, भूमि या वाहन अर्जित करने की संभावना मानी जाती है। दूसरा संकेत धैर्य और स्थिरता है। ऐसे लोग अचानक सफलता के बजाय लगातार मेहनत से आगे बढ़ते हैं। कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य नहीं खोते।

तीसरा संकेत न्यायप्रियता है। ये लोग सच और न्याय का साथ देने वाले तथा दूसरों के अधिकारों का सम्मान करने वाले माने जाते हैं। चौथा संकेत अनुशासन और परिश्रम है। लक्ष्य तय करके उसे पाने के लिए लगातार मेहनत करना इनके स्वभाव में माना जाता है। पांचवां संकेत विशेष क्षेत्रों में सफलता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार प्रशासन, न्याय, तकनीकी कार्य, निर्माण, भूमि, मशीनरी, खनन और ठेकेदारी जैसे क्षेत्रों में सफलता मिल सकती है। छठा संकेत बुजुर्गों और जरूरतमंदों के प्रति सम्मान है। ऐसे व्यक्ति सेवा और सहायता की भावना रखने वाले माने जाते हैं।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

सातवां संकेत दीर्घायु से जुड़ा है। ज्योतिष में शुभ शनि को लंबी आयु और जीवन में स्थायित्व का संकेत माना गया है।

हालांकि, किसी व्यक्ति की कुंडली का फल केवल एक ग्रह की स्थिति देखकर तय नहीं किया जा सकता। संपूर्ण कुंडली और ग्रहों की स्थिति का अध्ययन आवश्यक माना जाता है।

500 किमी रफ्तार वाला ड्रोन तैयार, मिसाइलों का करेगा पीछा

यूनिक समय, मथुरा। हैदराबाद की कंपनी अपोलियन डायनेमिक्स ने आहूति एमके–द्वितीय नाम का तेज रफ्तार अवरोधक ड्रोन तैयार करने का दावा किया है। कंपनी के अनुसार इसकी अधिकतम गति करीब 500 किलोमीटर प्रति घंटा है, जबकि इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने इसकी गति 498 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की है। यह अपने पिछले नमूने की 325 किलोमीटर प्रति घंटा की गति के रिकॉर्ड से आगे निकल गया है।

कंपनी के अनुसार यह ड्रोन दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलों को हवा में रोकने के उद्देश्य से बनाया गया है। इसकी गति बढ़ाने के लिए इंजन, मोटर और बाहरी ढांचे में कई बदलाव किए गए। इसके विकास के दौरान करीब

498 किमी प्रति घंटा की गति दर्ज, रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम

सेना की मदद से हुआ परीक्षण, कम लागत में आधुनिक क्षमता

10 अलग–अलग नमूनों पर काम किया गया।

ड्रोन का परीक्षण भारतीय सेना की मदद से बबीना और गोपालपुर की फायरिंग रेंज में किया गया। कंपनी का लक्ष्य कम लागत में अधिक क्षमता वाली रक्षा तकनीक विकसित करना बताया गया है।

बीस मिनट में बनाएं आलू–मिर्च मसाला, स्वाद होगा लाजवाब

यूनिक समय, मथुरा। रोज एक जैसी आलू की सब्जी खाकर अगर आप भी ऊब गए हैं, तो आलू–मिर्च मसाला एक स्वादिष्ट विकल्प हो सकता है। कम सामग्री और कम समय में तैयार होने वाली यह सब्जी भोजन का स्वाद बदल देगी।

इसे बनाने के लिए उबले आलू, भावनगरी मिर्च, टमाटर, अदरक, लहसुन, हरी मिर्च, जीरा, मेथी दाना, कलौंजी और दही की जरूरत होगी। सबसे पहले तेल गर्म कर जीरा, मेथी दाना और कलौंजी चटकाएं। फिर अदरक–लहसुन और हरी मिर्च डालकर भावनगरी मिर्च को हल्का भून लें।

अब टमाटर डालकर पकाएं और फेंटी हुई दही में हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर और हींग मिलाकर डालें। इसके बाद कटे हुए उबले आलू डालकर अच्छी तरह मिलाएं। जरूरत के अनुसार पानी डालकर कुछ मिनट पकाएं। अंत में हरा धनिया और थोड़ा घी डालकर गरमागरम रोटी, पराठे या दाल–चावल के साथ परोसें।

फोन उल्टा रखें या सीधा जानिए कौन सा तरीका बेहतर

यूनिक समय, मथुरा। मोबाइल फोन को टेबल पर स्क्रीन ऊपर करके रखना आम आदत है, लेकिन कई परिस्थितियों में स्क्रीन नीचे रखना ज्यादा उपयोगी हो सकता है। स्क्रीन ऊपर रहने पर संदेश और सूचनाएं सामने दिखाई देती हैं, जिससे आसपास बैठे लोग निजी जानकारी पढ़ सकते हैं। बार–बार चमकती स्क्रीन काम या पढ़ाई के दौरान ध्यान भी भटका सकती है।

आजकल कई स्मार्टफोन में कैमरा पीछे की ओर थोड़ा उभरा होता है। फोन को स्क्रीन ऊपर रखकर खिसकाने पर कैमरा लेंस टेबल के संपर्क में आ सकता है और उस पर खरोंच पड़ने का खतरा रहता है। स्क्रीन नीचे रखने पर कैमरा ऊपर रहता है और यह जोखिम

स्क्रीन नीचे रखने से बनी रहती है गोपनीयता और एकाग्रता

कैमरा लेंस बचाने के लिए भी कारगर माना जाता है

कम हो जाता है। कुछ स्मार्टफोन स्क्रीन नीचे रखे जाने की स्थिति को पहचानकर आने वाली सूचनाओं पर स्क्रीन को सक्रिय नहीं करते। इससे बार–बार स्क्रीन जलने से होने वाली ऊर्जा खपत कम हो सकती है। हालांकि स्क्रीन नीचे रखने से पहले सुरक्षात्मक शीशा और किनारों वाला मजबूत आवरण लगाना बेहतर है, ताकि प्रदर्शन पर खरोंच न आए।

बच्चों की तस्वीर डालने से पहले सौ बार सोचें

यूनिक समय, मथुरा। आजकल बच्चों की हर खुशी कैमरे में कैद होते ही सामाजिक माध्यमों पर पहुंच जाती है। जन्मदिन, विद्यालय का कार्यक्रम, छुट्टियां या कोई उपलब्धि–माता–पिता तस्वीर साझा कर गर्व महसूस करते हैं। लेकिन यही तस्वीर अनजान लोगों के लिए बच्चे की पहचान, विद्यालय, घर और दिनचर्या की जानकारी जुटाने का जरिया भी बन सकती है।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक इंटरनेट पर डाली गई तस्वीर पर नियंत्रण हमेशा नहीं रहता। कोई उसे डाउनलोड कर दोबारा साझा कर सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तस्वीरों में बदलाव करने वाली तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल ने खतरा और बढ़ा दिया है। सामान्य तस्वीर को भी गलत रूप देकर बच्चे को परेशान किया जा सकता है।

विशेषज्ञों की सलाह है कि बच्चों की तस्वीरें साझा करते समय गोपनीयता की व्यवस्था मजबूत रखें। विद्यालय का नाम, घर का पता, पहचान पत्र, परीक्षा परिणाम, चिकित्सकीय जानकारी और तत्काल स्थान की जानकारी वाली तस्वीरें सार्वजनिक न करें। तस्वीरों में स्थान की जानकारी जुड़ी हो तो उसे भी हटाना जरूरी है। विद्यालयों को भी बच्चों की तस्वीरें प्रकाशित करने से पहले अभिभावकों की सहमति और स्पष्ट नियम तय करने चाहिए। माता–पिता को यह भी देखना चाहिए कि कोई अनजान व्यक्ति बच्चे की तस्वीरों पर बार–बार टिप्पणी तो नहीं कर रहा या निजी जानकारी मांगने का प्रयास तो नहीं कर रहा। यदि

तस्वीरों से खुल सकती है बच्चे की पहचान और दिनचर्या

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तस्वीरों के दुरुपयोग का बढ़ा खतरा

तस्वीर का दुरुपयोग हो जाए तो उसका प्रमाण सुरक्षित रखें, संबंधित मंच पर शिकायत करें और साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत 1930 पर संपर्क करें। साइबर दुनिया में सबसे सुरक्षित नियम यही है–हर तस्वीर साझा करना जरूरी नहीं होता। बच्चे की सुरक्षा कुछ पसंद और टिप्पणियों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

बिना सुई चुभाए होगी मधुमेह की जांच, वैज्ञानिक ने बनाई युक्ति

यूनिक समय, मथुरा। लखीमपुर खीरी के युवा वैज्ञानिक मुनीर खान और उनकी टीम ने मधुमेह की निगरानी के लिए ऐसी युक्ति विकसित करने की दिशा में काम किया है, जिसमें बिना सुई चुभाए और खून की बूंद निकाले रक्त में ग्लूकोज स्तर का अनुमान लगाने का प्रयास किया गया है। इस तकनीक से मधुमेह रोगियों को बार–बार उंगली में सुई चुभाने की परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है।

जानकारी के अनुसार युक्ति को कलाई पर त्वचा के संपर्क में रखा जाता है। इसमें लगे प्रकाशीय संवेदक शरीर के ऊतकों में प्रकाश भेजते हैं और वापस मिलने वाले संकेतों को पकड़ते हैं। इसके बाद कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणाली इन संकेतों का विश्लेषण कर ग्लूकोज स्तर का अनुमान लगाने

कलाई पर लगाकर शरीर में प्रकाश भेजेगा संवेदक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संकेतों का विश्लेषण कर बताएगा स्तर

कलाई पर रखकर करेगी काम

का प्रयास करती है।

इस तकनीक से जुड़े उपकरण का डिजाइन ब्रिटेन के बौद्धिक संपदा कार्यालय में पंजीकृत कराया गया है। हालांकि, चिकित्सा उपयोग से पहले ऐसे उपकरण को संबंधित नियामक संस्थाओं की आवश्यक जांच और परीक्षण से गुजरना होगा।

सम्पादकीय

डिग्री बढ़ी, समझ घटी तो शिक्षा किस काम की

भारत में शिक्षा का अर्थ कभी केवल नौकरी पाने की सीढ़ी नहीं था। 'सा विद्या या विमुक्तये' यानी विद्या वह है जो मुक्ति का मार्ग दिखाए। मगर आज शिक्षा का हिसाब कुछ अलग है–कितने अंक आए, कौन–सी नौकरी मिली और आय कितनी है। बच्चा ज्ञान हासिल कर रहा है या भविष्य की नौकरी के लिए प्रमाणपत्र जमा कर रहा है, यह पूछने की फुर्सत किसी के पास नहीं।

विडंबना देखिए, माता–पिता चाहते हैं कि बच्चा संस्कारी बने, लेकिन परीक्षा में एक अंक कम आते ही घर में आपातकाल लग जाता है। विद्यालय चरित्र निर्माण की बात करते हैं, मगर सफलता का पैमाना परीक्षा परिणाम बन गया है। विद्यार्थी भी पूछता है–यह विषय पढ़कर नौकरी कितनी मिलेगी? जैसे ज्ञान नहीं, उसकी कीमत की सूची जारी हो रही हो।

पवन गौतम
संपादक

शिक्षा का व्यवसायीकरण इस तस्वीर को और विचित्र बना रहा है। कहीं महंगी फीस ज्ञान की गारंटी बन गई है तो कहीं प्रमाणपत्र ही योग्यता का पर्याय समझ लिया गया है। कोचिंग की दौड़ में बच्चे किताबों से ज्यादा परीक्षा की रणनीति सीख रहे हैं। सवाल यह है कि ऐसी शिक्षा उन्हें जीवन की कठिन परिस्थितियों से निपटना सिखा रही है या केवल अगली परीक्षा पास करना?

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

तकनीक ने शिक्षा को आसान जरूर बनाया है, लेकिन शिक्षक और विद्यार्थी दोनों की जिम्मेदारी बढ़ा दी है। विद्यार्थी के हाथ में दुनिया भर की जानकारी है। ऐसे में शिक्षा का काम जानकारी भरना नहीं, बल्कि सही और गलत में अंतर समझाना होना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्तर दे सकती है, लेकिन सही प्रश्न पूछना और उत्तर का विवेकपूर्ण उपयोग करना मनुष्य को ही सीखना होगा।

शिक्षा का संकट केवल पाठ्यक्रम बदलने से दूर नहीं होगा। विद्यालयी वातावरण, परीक्षा पद्धति, शिक्षक प्रशिक्षण और अभिभावकीय अपेक्षाओं में भी बदलाव जरूरी है। विद्यार्थी को केवल चिकित्सक, अभियंता या अधिकारी बनाना पर्याप्त नहीं; उसे ईमानदार नागरिक, संवेदनशील मनुष्य और जिम्मेदार समाज सदस्य बनाना भी शिक्षा का काम है।

आज जरूरत ऐसी शिक्षा की है जो रोजगार दे, लेकिन केवल रोजगार तक सीमित न हो। जो बुद्धि तेज करे, मगर विवेक भी जगाए। जो प्रतिस्पर्धा सिखाए, मगर संवेदना न छीने।

क्योंकि डिग्री की मोटाई से समाज महान नहीं बनता। समाज तब बदलता है, जब शिक्षा इंसान को भीतर से बड़ा बनाती है। शिक्षा का असली लक्ष्य नियुक्ति नहीं, व्यक्तित्व निर्माण और जीवन को बेहतर बनाने की क्षमता पैदा करना होना चाहिए।

नजरिया

करियर की अंधी दौड़ में घुटती युवा पीढ़ी

बोध प्रकाश सगुणी

युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। उनकी ऊर्जा, सपने, प्रतिभा और नवाचार देश के भविष्य की दिशा तय करते हैं। भारत जैसे युवा देश में यह जिम्मेदारी और भी बड़ी है। लेकिन आज का युवा जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें अवसरों के साथ चुनौतियां भी तेजी से बढ़ी हैं। शिक्षा से रोजगार तक, प्रतियोगिता से सामाजिक प्रतिष्ठा तक और नौकरी से उद्यमिता तक हर मोर्चे पर आगे निकलने की होड़ ने युवा जीवन को तनाव से भर दिया है। सफलता अब केवल लक्ष्य नहीं रही, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा का पैमाना बनती जा रही है। इसी कारण असफलता का सामान्य अनुभव भी अनेक युवाओं के लिए गहरी निराशा का कारण बन रहा है।

आज का युवा बेहतर शिक्षा चाहता है, अच्छी नौकरी चाहता है, आर्थिक स्वतंत्रता चाहता है और सम्मानजनक जीवन जीना चाहता है। इन इच्छाओं में कोई बुराई नहीं है। समस्या तब पैदा होती है, जब इन आकांक्षाओं को पूरा करने की दौड़ जीवन से बड़ी हो जाती है। परिवार, स्वास्थ्य, रिश्ते, नींद और मानसिक शांति पीछे छूटने लगती है। एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो रही है जो उपलब्धियों की सूची तो लंबी करना चाहती है, लेकिन उन उपलब्धियों का आनंद लेने के लिए उसके पास समय नहीं है।

सबसे बड़ी चुनौती रोजगार के बदलते स्वरूप की है। सरकारी नौकरियों की संख्या सीमित है और निजी क्षेत्र में स्थायित्व पहले जैसा नहीं रहा। ठेका आधारित रोजगार, स्वतंत्र काम और अस्थायी अवसर बढ़ रहे हैं। तकनीक ने काम करने के तरीके बदले हैं तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने भविष्य की नौकरियों को लेकर नई आशंकाएं पैदा की हैं। युवा यह सोचने को मजबूर है कि आज जो कौशल उसके पास है, क्या वह कुछ वर्षों बाद भी उपयोगी रहेगा? नौकरी जाने का डर और लगातार नए कौशल सीखने का दबाव मानसिक थकान को बढ़ा रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को केवल संकट के रूप में देखना भी उचित नहीं होगा। यह उत्पादकता बढ़ाने और नए अवसर पैदा करने वाली शक्ति है। लेकिन इसका लाभ तभी व्यापक होगा, जब शिक्षा और कौशल विकास की व्यवस्था समय के साथ बदले। केवल युवाओं से यह कहना पर्याप्त नहीं कि वे अपने कौशल को लगातार बदलते रहें। सरकार, शिक्षण संस्थानों और उद्योगों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। शिक्षा को रोजगार की वास्तविक जरूरतों से जोड़ना होगा और युवाओं को बदलती तकनीक के साथ आगे बढ़ने का अवसर देना होगा। दूसरी बड़ी चुनौती कार्य और जीवन के बीच बिगड़ता संतुलन है। तकनीक ने काम को आसान बनाया है, लेकिन उसने काम की सीमाएं भी धुंधली कर दी हैं। घर से काम करने की व्यवस्था ने सुविधा दी तो कई मामलों में काम के घंटे भी बढ़ा दिए। मोबाइल फोन और इंटरनेट के कारण कर्मचारी हर समय उपलब्ध रहने के दबाव में है। देर रात तक संदेशों और कार्यालयी काम का जवाब देना सामान्य होता जा रहा है। परिणामस्वरूप परिवार के लिए समय कम हो रहा है और मानसिक थकान बढ़ रही है। काम के प्रति जिम्मेदारी जरूरी है, लेकिन जीवन को केवल काम में बदल देना किसी भी समाज के लिए स्वस्थ संकेत नहीं है। मनुष्य मशीन नहीं है। उसे आराम चाहिए, परिवार चाहिए, मित्र चाहिए और अपने लिए भी समय चाहिए। लगातार काम करते रहने को सफलता का पर्याय बना देना अंततः व्यक्ति को भीतर से कमजोर कर सकता है। इसलिए संस्थानों को भी ऐसी कार्य संस्कृति विकसित करनी होगी, जिसमें उत्पादकता के साथ कर्मचारी के मानसिक और पारिवारिक जीवन का सम्मान हो।

सोशल मीडिया ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। वहां हर व्यक्ति अपने जीवन का सबसे सुंदर हिस्सा दिखाता है। महंगी गाड़ियां, विदेश यात्राएं, शानदार घर, बड़ी नौकरियां, उत्सव और उपलब्धियां लगातार सामने आती रहती हैं। इन्हें देखकर युवा अपने जीवन की तुलना दूसरों से करने लगता है। उसे लगता है कि दूसरे उससे अधिक सफल, अधिक सुखी और अधिक संपन्न हैं। जबकि वह यह भूल जाता है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली तस्वीर पूरी जिंदगी नहीं होती। तुलना की यह प्रवृत्ति आत्मविश्वास को कमजोर करती है। व्यक्ति अपनी उपलब्धियों को भी कम समझने लगता है। इसलिए युवाओं को यह समझना होगा कि जीवन किसी प्रतियोगिता का परिणाम नहीं है। हर व्यक्ति की परिस्थितियां, क्षमताएं और यात्रा अलग होती है। सफलता का अर्थ केवल अधिक पैसा, बड़ा पद या प्रसिद्धि नहीं हो सकता। मानसिक

शांति, अच्छे संबंध, संतोष और समाज के प्रति उपयोगी योगदान भी सफलता के महत्वपूर्ण आधार हैं। उद्यमिता ने युवाओं के सामने नए रास्ते खोले हैं। आज अनेक युवा नौकरी तलाशने के बजाय रोजगार पैदा करने का सपना देख रहे हैं। यह परिवर्तन उत्साहजनक है। लेकिन उद्यमिता को केवल सफलता की चमकदार कहानियों के रूप में देखना भी उचित नहीं है। हर नए व्यवसाय को सफलता नहीं मिलती। पूंजी की कमी, बाजार की अनिश्चितता, प्रतिस्पर्धा और निवेश का दबाव उद्यमियों के सामने बड़ी चुनौतियां खड़ी करते हैं। इसलिए असफलता को जीवन का अंत नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया मानने की मानसिकता विकसित करनी होगी। देश में एक और गंभीर समस्या शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ता अंतर है। हर वर्ष बड़ी संख्या में युवा डिग्रियां लेकर रोजगार बाजार में प्रवेश करते हैं, लेकिन उनकी शिक्षा और बाजार की आवश्यकताओं के बीच अंतर दिखाई देता है। केवल प्रमाणपत्र रोजगार की गारंटी नहीं हो सकता। शिक्षा व्यवस्था में व्यावहारिक कौशल, तकनीकी दक्षता, संवाद क्षमता, समस्या समाधान और रचनात्मक सोच को पर्याप्त महत्व देना होगा। युवाओं को केवल परीक्षा पास करने के लिए नहीं, बल्कि जीवन और रोजगार की वास्तविक चुनौतियों के लिए तैयार करना होगा। परीक्षा व्यवस्था को लेकर बढ़ती चिंताएं भी युवाओं के भविष्य पर असर डाल रही हैं। प्रश्नपत्रों की अनियमितताएं, प्रतियोगी परीक्षाओं में देरी, परिणामों को लेकर अनिश्चतता और लंबे समय तक चलने वाली चयन प्रक्रिया युवाओं के वर्षों का समय ले लेती है। एक विद्यार्थी जब लगातार तैयारी करता है और बार–बार व्यवस्था संबंधी कारणों से अनिश्चितता का सामना करता है, तो उसका मानसिक दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, समयबद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना केवल प्रशासनिक आवश्यकता नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी के विश्वास की रक्षा का प्रश्न है। महंगी शिक्षा और बढ़ता शैक्षिक खर्च भी मध्यमवर्गीय परिवारों के सामने चुनौती बन रहा है। बेहतर शिक्षा के लिए परिवार कर्ज लेते हैं और युवा पर जल्दी सफल होने का दबाव बढ़ जाता है। यही दबाव कभी–कभी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के बजाय उसे भय और तनाव में धकेल देता है। हमें ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें आर्थिक स्थिति किसी प्रतिभाशाली विद्यार्थी के सपनों के रास्ते की सबसे बड़ी बाधा न बने। इस पूरे परिदृश्य में परिवार की भूमिका महत्वपूर्ण है। भारतीय परिवार परंपरागत रूप से युवाओं को भावनात्मक और सामाजिक सुरक्षा देता रहा है। लेकिन बदलती जीवनशैली, रोजगार के लिए शहरों की ओर पलायन और बढ़ती आर्थिक जरूरतों ने परिवार की संरचना को भी बदला है। अब संयुक्त परिवारों की जगह छोटे परिवार बढ़ रहे हैं। ऐसे में भावनात्मक संवाद की आवश्यकता पहले से अधिक है। माता–पिता को केवल अंकों, नौकरी और वेतन के आधार पर बच्चों की सफलता तय करने के बजाय उनकी रुचियों और मानसिक स्थिति को भी समझना होगा। युवा पीढ़ी को भी यह स्वीकार करना होगा कि जीवन में हर दौड़ जीतना जरूरी नहीं है। असफलता कोई कलंक नहीं। नौकरी बदलना, कुछ समय रुकना, नया कौशल सीखना या अपने रास्ते को दोबारा तय करना जीवन की सामान्य प्रक्रिया है। सफलता की कोई एक परिभाषा नहीं होती। जरूरी यह है कि व्यक्ति अपनी क्षमता पहचाने और अपनी गति से आगे बढ़े। योग, ध्यान, खेल, साहित्य, संगीत और प्रकृति से जुड़ाव जैसी गतिविधियां युवाओं के जीवन में संतुलन ला सकती हैं। लेकिन मानसिक स्वास्थ्य की जिम्मेदारी केवल व्यक्ति पर डाल देना भी उचित नहीं। शिक्षण संस्थानों और कार्यस्थलों में परामर्श व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए। युवाओं को यह भरोसा मिलना चाहिए कि समस्या बताना कमजोरी नहीं, बल्कि समाधान की दिशा में पहला कदम है।

विचार विंडो

उत्तर प्रदेश 2027 की बिसात पर बिछने लगे सियासी मोहरे

राम प्रकाश वर्मा

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव भले अभी दूर हों, लेकिन सियासी दलों ने अपनी तैयारियों की रफ्तार बढ़ा दी है। वर्ष 2027 का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता की वापसी का मुकाबला नहीं होगा, बल्कि बदलते सामाजिक समीकरणों, युवा मतदाताओं की आकांक्षाओं और गठबंधन राजनीति की नई दिशा की परीक्षा भी होगा। 2024 के लोकसभा चुनाव ने प्रदेश की राजनीति में कई स्थापित धारणाओं को चुनौती दी। अब भाजपा जहां अपनी सत्ता और संगठनात्मक पकड़ बनाए रखने की कोशिश करेगी, वहीं समाजवादी पार्टी उस राजनीतिक जमीन को और मजबूत करना चाहेगी, जो उसे लोकसभा चुनाव में मिली।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में जातीय समीकरण हमेशा महत्वपूर्ण रहे हैं, लेकिन अब इनके साथ रोजगार, शिक्षा, कानून–व्यवस्था, महंगाई और विकास जैसे मुद्दे भी निर्णायक होते जा रहे हैं। खासकर युवा मतदाता राजनीतिक दलों से केवल नारों की अपेक्षा नहीं करता। वह नौकरी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया चाहता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं और रोजगार को लेकर बनी चिंताओं ने युवाओं के बीच राजनीतिक चेतना को नया रूप दिया है। यही कारण है कि आगामी चुनाव में युवा मतदाताओं को साधना सभी दलों की प्राथमिकता होगी। समाजवादी पार्टी ने पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के व्यापक सामाजिक गठजोड़ को अपनी राजनीति के केंद्र में रखा है। संविधान, आरक्षण और सामाजिक प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों के माध्यम से पार्टी गैर–यादव पिछड़े वर्गों तथा दलित समाज के बीच अपना आधार बढ़ाने की कोशिश कर रही है। लोकसभा चुनाव के अनुभव ने सपा को यह भरोसा दिया है कि पारंपरिक सामाजिक समीकरणों से आगे बढ़कर व्यापक गठबंधन बनाया जा सकता है। लेकिन चुनौती यह है कि इस सामाजिक गठजोड़ को विधानसभा चुनाव में बूथ स्तर तक कैसे टिकाऊ बनाया जाए। भाजपा की ताकत उसका मजबूत संगठन है। बूथ स्तर तक फैला कार्यकर्ता तंत्र, लाभार्थी वर्ग और सरकार की योजनाओं का व्यापक प्रचार पार्टी की चुनावी रणनीति के प्रमुख आधार हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार कानून–व्यवस्था और विकास को अपने प्रमुख मुद्दों के रूप में सामने रख सकती है। सड़क, एक्सप्रेसवे, औद्योगिक परियोजनाएं, धार्मिक पर्यटन और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों तक पहुंच भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश का हिस्सा होंगे। इसके साथ ही पार्टी उन सामाजिक वर्गों में अपनी पकड़

बनाए रखने का प्रयास करेगी, जो पिछले चुनावों में उसके साथ मजबूती से खड़े रहे हैं।

हालांकि भाजपा के लिए सहयोगी दलों को साथ रखना भी महत्वपूर्ण चुनौती होगी। निषाद पार्टी, अपना दल और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी जैसे सहयोगी दल अपने–अपने सामाजिक आधार के अनुरूप अधिक राजनीतिक हिस्सेदारी चाहते हैं। चुनाव से पहले सीटों का बंटवारा और सम्मानजनक प्रतिनिधित्व गठबंधन की एकता की बड़ी परीक्षा बन सकता है। सहयोगी दलों की नाराजगी विपक्ष को अवसर दे सकती है। इसलिए भाजपा के सामने संगठन को मजबूत करने के साथ–साथ गठबंधन के भीतर संतुलन बनाए रखने की चुनौती भी रहेगी।

विपक्षी खेमे में कांग्रेस और सपा का तालमेल भी चुनावी परिणामों को प्रभावित कर सकता है। लोकसभा चुनाव में दोनों दलों के बीच सहयोग से विपक्ष को लाभ मिला था। लेकिन विधानसभा चुनाव में सीटों का बंटवारा कहीं अधिक जटिल होगा। दोनों दल अपने–अपने संगठन को मजबूत करना चाहते हैं और यही महत्वाकांक्षा भविष्य में सीटों के तालमेल को कठिन बना सकती है। यदि दोनों दल साझा रणनीति बनाने में सफल रहे तो भाजपा के सामने चुनौती बढ़ेगी, लेकिन मतों का विभाजन हुआ तो विपक्ष की संभावनाएं कमजोर हो सकती हैं। बहुजन समाज पार्टी की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मायावती भले ही फिलहाल अपेक्षाकृत शांत दिखाई दें, लेकिन उनका पारंपरिक दलित मत आधार उत्तर प्रदेश की चुनावी गणित में आज भी महत्वपूर्ण है। बसपा यदि अपने मतदाताओं को अपने साथ बनाए रखने में सफल रहती है तो उसका प्रभाव कई विधानसभा क्षेत्रों में निर्णायक हो सकता है। इसके अलावा छोटे दल और क्षेत्रीय संगठन भी कुछ सीटों पर परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 2027 का चुनाव केवल राजनीतिक दलों के गणित से तय नहीं होगा। मतदाता अब पहले की तुलना में अधिक सजग है। वह जातीय पहचान के साथ अपने आर्थिक और सामाजिक हितों को भी देखता है। किसान अपनी आय और लागत को देखेगा, युवा रोजगार और भर्ती व्यवस्था को, महिलाएं सुरक्षा और सुविधाओं को तथा मध्यम वर्ग महंगाई और आर्थिक अवसरों को। राजनीतिक दलों के लिए चुनौती यही होगी कि वे इन अलग–अलग अपेक्षाओं को एक व्यापक चुनावी संदेश में कैसे बदलते हैं।

आगामी चुनाव में सामाजिक समीकरणों के साथ राजनीतिक विश्वसनीयता भी बड़ी कसौटी होगी। जनता यह देखेगी कि कौन केवल आरोप लगा रहा है और कौन अपने वादों के लिए ठोस योजना प्रस्तुत कर रहा है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में चुनावी सफलता केवल बड़े नारों से नहीं मिलती। उसके लिए संगठन, सामाजिक स्वीकार्यता, नेतृत्व की विश्वसनीयता और जमीन पर लगातार मौजूदगी जरूरी है।

फिलहाल चुनावी बिसात पर मोहरे सजने लगे हैं। भाजपा सत्ता की अपनी मजबूत जमीन बचाने में जुटी है, सपा नए सामाजिक समीकरण गढ़ रही है, कांग्रेस अपनी भूमिका बढ़ाने की कोशिश में है और बसपा अपने आधार को पुनर्गठित करने में लगी है। लेकिन अंतिम फैसला राजनीतिक दलों के कार्यालयों में नहीं, जनता के बीच होगा। 2027 का उत्तर प्रदेश यह तय करेगा कि मतदाता विकास और सुशासन को प्राथमिकता देता है, सामाजिक प्रतिनिधित्व को, या दोनों के बीच कोई नया संतुलन तलाशता है। यही चुनाव की असली दिलचस्पी होगी।

श्री चरणी ने खोला राज, बताया कैसे चला स्पिन का जाल

पाकिस्तान को 55 रन पर समेटने की बनी थी खास रणनीति

यूनिक समय, नई दिल्ली। महिला टी20 एशिया कप 2026 में भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ एकतरफा अंदाज में 7 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। 5 सितंबर को दुबई में खेले गए इस मुकाबले में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को महज 55 रन पर ऑलआउट कर दिया और लक्ष्य को सिर्फ 11.2 ओवर में हासिल कर लिया। भारत की इस बड़ी जीत में युवा स्पिन गेंदबाज श्री चरणी की भूमिका बेहद अहम रही। उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने 4 ओवर में सिर्फ 7 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। उनके इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी दिया गया। मुकाबले के बाद

श्री चरणी ने बताया कि आखिर भारतीय गेंदबाजों ने पाकिस्तान को इतने कम स्कोर पर रोकने की रणनीति कैसे तैयार की थी।

श्री चरणी के मुताबिक, मैच से पहले भारतीय स्पिन गेंदबाजों की टीम मीटिंग हुई थी। इसमें वह खुद, प्रेमा रावत, दीप्ति शर्मा और राधा यादव शामिल थीं। सभी ने मिलकर चर्चा की कि पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में किस तरह गेंदबाजी करनी है। श्री चरणी ने बताया कि दीप्ति शर्मा और राधा यादव जैसी अनुभवी खिलाड़ियों की सलाह को मैदान पर लागू करने की कोशिश की जाती है। हालांकि, उनका पूरा ध्यान अपनी गेंदबाजी पर रहता है और वह सिर्फ अपना काम सही तरीके से करने पर फोकस करती हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में श्री चरणी ने एक खास रणनीति अपनाई। उन्होंने बताया कि उनका पूरा ध्यान स्टंप पर गेंद डालने पर था। पिच को देखने के बाद भारतीय गेंदबाजों को अंदाजा हो गया था कि यहां गेंद टर्न कर सकती है। ऐसे में श्री चरणी ने ज्यादा प्रयोग करने के बजाय स्टंप पर गेंदबाजी जारी रखी और बाकी काम गेंद पर छोड़ दिया। उनकी यह रणनीति पूरी तरह कामयाब रही और पाकिस्तान की बल्लेबाज भारतीय स्पिन के सामने लगातार विकेट गंवाती चली गईं।

फराह खान के 'दिल के तीन टुकड़े' हुए दूर

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान इन दिनों अपने बच्चों को लेकर भावुक हैं। उनके तीनों बच्चे दिवा, अन्या और जार पढ़ाई के लिए विदेश चले गए हैं। बच्चों के घर से दूर जाने पर फराह ने सोशल मीडिया पर परिवार की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए अपना इमोशनल अंदाज फैंस के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि तीन बच्चों को एक साथ कॉलेज के लिए विदा करना उनके लिए आसान नहीं था। फराह खान ने रविवार, 6 सितंबर को इंस्टाग्राम पर बच्चों की कई तस्वीरें पोस्ट कीं। तस्वीरों में तीनों अलग-अलग शहरों और कैंपस में अपनी नई जिंदगी की शुरुआत करते नजर आ रहे हैं। इस खास मौके पर फराह ने बताया कि तीन अलग-अलग शहरों में बच्चों को अलविदा कहना उनके लिए बेहद भावुक पल था। उन्होंने अपने बच्चों को नई जिंदगी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपनी जिंदगी जिएं, लेकिन यह न भूलें कि सभी रास्ते वापस मम्मी-पापा के पास आते हैं। फराह ने अपनी पोस्ट में बच्चों को 'मेरे दिल के तीन टुकड़े' बताते हुए अपना प्यार जाहिर किया। इस भावुक पोस्ट में उनका मजाकिया अंदाज भी देखने को

बच्चे पढ़ाई के लिए विदेश रवाना

इमोशनल पोस्ट ने जीता दिल

मिला। उन्होंने अपने पति और फिल्ममेकर शिरीष कुंदर पर हल्के-फुल्के अंदाज में तंज कसा। फराह ने बताया कि शिरीष ने बच्चों को विदेश भेजने की तैयारियों में बाकी हर चीज में मदद की, लेकिन फैमिली फोटो में पोज देना भूल गए।

फराह और शिरीष की शादी साल 2004 में हुई थी। दोनों के तीन बच्चे ट्रिपलेट्स हैं-बेटियां दिवा और अन्या और बेटा जार। तीनों ने हाल ही में धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से ग्रेजुएशन पूरा किया है। दिवा और अन्या में कम उम्र से ही बिजनेस और सामाजिक कामों में रुचि दिखाई दी थी। 2020 के लॉकडाउन में दोनों ने 'द मैड पार्टी प्लानर्स' नाम से ऑनलाइन पार्टी-प्लानिंग वेंचर भी शुरू किया था। अब तीनों बच्चों के विदेश जाकर पढ़ाई शुरू करने के साथ फराह के घर में एक नया और भावुक दौर शुरू हो गया है।

'जिस्म' साइन करते ही बिपाशा को मिली थी चेतावनी

सबने कहा-करियर खत्म हो जाएगा, फिर भी नहीं मानी बात

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस बिपाशा बसु ने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन साल 2003 में आई फिल्म 'जिस्म' उनके करियर की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक रही।

इस फिल्म में बिपाशा ने ऐसा बोल्ड और इरोटिक किरदार निभाया था, जिसे लेकर उस समय काफी चर्चा हुई थी। हालांकि, इस फिल्म को साइन करना बिपाशा के लिए आसान फैसला नहीं था। एक्ट्रेस ने हाल ही में बताया कि जब उन्होंने 'जिस्म' के लिए हामी भरी थी, तब इंडस्ट्री के कई लोगों ने उन्हें इसे करने से मना किया था। यहां तक कि उन्हें चेतावनी दी गई थी कि अगर उन्होंने यह फिल्म की तो उनका करियर खत्म हो सकता है।

बिपाशा ने एले इंडिया से बातचीत में बताया कि उन्हें पहले से पता था कि 'जिस्म' एक बड़ा रिस्क है। उनके मुताबिक, इंडस्ट्री में मौजूद कई लोगों को डर था कि फिल्म में मौजूद बोल्ड और इरोटिक कंटेंट उनके करियर के लिए नुकसानदायक साबित होगा। लोगों ने उन्हें साफ तौर पर कहा था कि उन्हें इस तरह की फिल्म नहीं करनी चाहिए। लेकिन बिपाशा ने इन सलाहों को नजरअंदाज किया और अपने फैसले पर कायम रहीं। फिल्म में उनके साथ जॉन अब्राहम मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

बिपाशा ने बताया कि उनके लिए 'जिस्म' सिर्फ एक एडल्ट लव स्टोरी थी।

उनका कहना था कि वह खुद एक एडल्ट हैं और उन्हें फिल्म की कहानी या अपने किरदार को लेकर कोई परेशानी नहीं थी। उन्होंने कहा कि उन्हें अच्छी तरह पता था कि वह किस तरह की फिल्म साइन कर रही हैं और इसमें सोनिया के किरदार के जरिए उन्हें अपने अभिनय के कई अलग-अलग शेड्स दिखाने का मौका मिला। यही वजह थी कि उन्होंने फिल्म करने का फैसला लिया।

बिपाशा ने बातचीत के दौरान बेटी देवी के जन्म के बाद बढ़े वजन को लेकर हुई ट्रोलिंग पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आज भी महिलाओं से अवास्तविक उम्मीदें की जाती हैं।

बच्चे को जन्म देने के बाद उनसे तुरंत पहले जैसी फिटनेस और शेप में लौटने की उम्मीद की जाती है और ऐसा न होने पर उन्हें ट्रोल किया जाता है। बिपाशा ने इस सोच को बेहद अजीब बताया।'जिस्म' अमित सक्सेना के निर्देशन और महेश भट्ट की कहानी पर बनी इरोटिक थ्रिलर थी। इसमें बिपाशा ने सोनिया खन्ना और जॉन अब्राहम ने कबीर लाल का किरदार निभाया था। फिल्म में गुलशन ग्रोवर भी अहम भूमिका में नजर आए थे।

राखी सावंत और अश्नीर ग्रोवर की जोड़ी लगाएगी कॉमेडी का तड़का

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'इंडियाज गॉट लेटेंट' सीजन 2 का छठा एपिसोड मनोरंजन से भरपूर होने वाला है। रविवार, 6 सितंबर को रिलीज होने जा रहे इस एपिसोड में पैनल पर कुछ ऐसे चेहरे नजर आएंगे, जिनका अंदाज शो को और भी मजेदार बना सकता है। कॉमेडियन समय रैना इस एपिसोड को होस्ट करेंगे, जबकि पैनल में राखी सावंत, अश्नीर ग्रोवर, कुशाग्र श्रीवास्तव और बलराज घई शामिल होंगे। खास तौर पर राखी सावंत और अश्नीर ग्रोवर की मौजूदगी ने नए एपिसोड को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। समय रैना ने सोशल मीडिया पर एपिसोड से जुड़ी तस्वीर शेयर की है, जिसमें सभी पैनलिस्ट नजर आ रहे हैं। राखी सावंत इससे पहले भी शो में अपने बेबाक अंदाज और मजेदार हरकतों से सुर्खियां बटोर चुकी हैं। ऐसे में इस बार भी उनसे कुछ अप्रत्याशित और मनोरंजक देखने की उम्मीद की जा रही है। दूसरी ओर, अश्नीर ग्रोवर भी अपने सीधे और बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। 'शार्क टैंक इंडिया' के पूर्व जज की मौजूदगी पैनल की बातचीत को खास बना सकती है। इस एपिसोड में कॉमेडियन कुशाग्र श्रीवास्तव और कंटेंट क्रिएटर बलराज घई भी पैनल का हिस्सा होंगे। दोनों के जुड़ने से शो में कॉमेडी और अलग तरह के रिएक्शन देखने को मिल सकते हैं। समय रैना के साथ यह पूरा पैनल किस तरह के मजेदार पल क्रिएट करता है, यह देखने के लिए दर्शक उत्साहित हैं। 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' का छठा एपिसोड 6 सितंबर 2026 को शाम 7 बजे रिलीज होने की जानकारी दी गई है। इसे यूट्यूब और नेटफ्लिक्स पर देखा जा सकेगा। इससे पहले शो के एक एपिसोड में वरुण धवन और मेधा शंकर भी नजर आए थे। उस दौरान समय रैना और वरुण धवन के बीच मजेदार बॉन्ड देखने को मिला था। अब राखी सावंत और अश्नीर ग्रोवर की जोड़ी के साथ नया एपिसोड कितना धमाल मचाता है, इस पर सभी की नजरें हैं।

नॉकआउट में वैभव सूर्यवंशी का बल्ला उगल रहा आग

8 पारियों में 706 रन

175 की पारी ने मचाई थी तबाही

यूनिक समय, नई दिल्ली। 15 साल के युवा भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी इस समय अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। साल 2026 में नॉकआउट मुकाबलों में उनका बल्ला जमकर गरजा है और वह बड़े मैचों में टीम के लिए अहम पारियां खेलते नजर आए हैं। दलीप ट्रॉफी 2026 के फाइनल में भी वैभव ने साउथ जोन के खिलाफ शानदार शुरुआत की। चेन्नई के चिदंबरम स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में वह अर्धशतक से सिर्फ 6 रन दूर रह गए। उन्होंने 37 गेंदों में 5 चौके और एक छक्के की मदद से 44 रन बनाए। चामा मिलिंद ने उनकी पारी का अंत किया। आउट होने से पहले वैभव ने अभिमन्यु ईश्वरन के साथ पहले विकेट के लिए 100 रनों

की मजबूत साझेदारी की। अगर साल 2026 में वैभव के नॉकआउट मुकाबलों के आंकड़ों पर नजर डालें तो उनका प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है। वह इस साल नॉकआउट मैचों में आठवीं बार 40 से ज्यादा रन बनाने में सफल हुए हैं। इन 8 पारियों में उनके बल्ले से कुल 706 रन निकले हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। उनके शानदार सफर की शुरुआत अंडर-19 वर्ल्ड कप से हुई थी। अफगानिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में वैभव ने महज 33 गेंदों में 68 रन ठोककर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का नमूना पेश किया था। इसके बाद फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ तो वैभव ने बल्ले से ऐसा तूफान मचाया कि हर कोई हैरान रह गया। उन्होंने सिर्फ 80 गेंदों में 15 चौके और 15 छक्कों की मदद से 175 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी इस पारी के दम पर भारत ने 411 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और मुकाबला 100 रन से जीतकर अंडर-19 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। आईपीएल 2026 के नॉकआउट मुकाबलों में भी वैभव का जलवा देखने को मिला। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 29 गेंदों में 97 रन की तूफानी पारी खेली।

इसके बाद क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 47 गेंदों में 96 रन बनाकर शतक से फिर चूक गए। हालांकि, 214 रन बनाने के बावजूद राजस्थान को हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा श्रीलंका ए के खिलाफ वनडे सीरीज के फाइनल में वैभव ने महज 20 गेंदों में 94 रन बनाए थे। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में भी उन्होंने सेंट्रल जोन के खिलाफ 92 और 40 रन की पारियां खेलीं। इस प्रदर्शन के साथ वह दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने और 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

कच्चा मकान बना काल, पिता समेत तीन बेटियों की गई जान

यूनिक समय, कानपुर। घाटमपुर के साढ़ थाना क्षेत्र के हिरनी गांव में रविवार सुबह दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। करीब साढ़े दस बजे दो मंजिला कच्चा मकान अचानक भरभराकर ढह गया। मलबे में गृहस्वामी मुकेश सिंह और उनकी चार बेटियां दब गईं। हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई।

आसपास के ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत–बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। ग्रामीणों की मदद से मुकेश सिंह और उनकी तीन बेटियों माया, पल्लवी और नीतू को मलबे से बाहर निकाला गया। सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतारा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एक साथ चार मौतों की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया।

मुकेश की चौथी बेटी काजल उर्फ लक्ष्मी मलबे में काफी गहराई में दब गई थी। ग्रामीण लगातार मलबा हटाकर उसकी तलाश करते रहे। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला जा सका।

उसकी हालत गंभीर बताई गई। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे कानपुर के हैलट अस्पताल भेज दिया।

हादसे के बाद ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासन की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। उनका आरोप है कि सूचना देने के बावजूद पुलिस करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंची। तब तक ग्रामीण अपने स्तर पर बचाव कार्य में जुटे थे। ग्रामीणों का कहना है कि समय पर राहत दल पहुंचता तो बचाव कार्य और तेजी से हो सकता था।

भरभराकर गिरे मकान के मलबे में दबा पूरा परिवार गांव में मचा कोहराम

डेढ़ घंटे बाद निकली चौथी बेटी, गंभीर हालत में कानपुर भेजी गई

हादसे के बाद गांव में मातम पसरा है। पुलिस और प्रशासन की टीम घटना की जांच में जुटी है। कच्चे मकान के अचानक ढहने की वजहों का भी पता लगाया जा रहा है।

फ्लैट में घुसकर करोड़पति दवा कारोबारी की हत्या

यूनिक समय, कानपुर। कल्याणपुर स्थित रतन आर्बिट अपार्टमेंट में शनिवार रात करोड़पति दवा कारोबारी विनीत विनोचा (63) की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। उनका शव फ्लैट के कमरे में खून से लथपथ मिला। वारदात रात साढ़े दस बजे से तड़के तीन बजे के बीच हुई। उस समय बेटा, बहू और पोता बाहर पार्टी में गए थे। परिजन रात तीन बजे लौटे तो फ्लैट का मुख्य दरवाजा खुला था। अंदर कमरे में विनीत का शव मिला। कमरे में संघर्ष के निशान और खून बिखरा था। सूचना पर पहुंची पुलिस और विधि विज्ञान टीम ने साक्ष्य जुटाए। पुलिस को आशंका है कि कारोबारी ने किसी परिचित के लिए दरवाजा खोला होगा। पुलिस ने अपार्टमेंट और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें दो संदिग्ध अंदर जाते दिखाई दिए। दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। कुछ दिन पहले कारोबारी ने एक नौकर को नौकरी से निकाला था, इसलिए पुलिस उसकी भी तलाश कर रही है। परिजनों ने किसी रंजिश से इनकार किया है। मामले का खुलासा करने के लिए पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है।

बेटा–बहू पार्टी में गए थे, लौटे तो खून से लथपथ मिला शव

सीसीटीवी में दिखे दो संदिग्ध, नौकर समेत कई बिंदुओं पर जांच

दिव्यांग की ट्राईसाइकिल बचाने में डंपर से भिड़ा टेंपो

दो मासूमों समेत पांच की मौत

यूनिक समय, संभल। बहजोई थाना क्षेत्र में रविवार सुबह मुरादाबाद–आगरा राजमार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। गांव बमनेटा के पास करीब सवा आठ बजे दिव्यांग की ट्राईसाइकिल को बचाने के प्रयास में सवारियों से भरा टेंपो सामने से आ रहे डंपर से जा भिड़ा। हादसे में दो बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए। घायलों को बहजोई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

टेंपो चालक सौदान 11 सवारियों को लेकर बहजोई से चंदौसी जा रहा था। बमनेटा के पास अचानक ट्राईसाइकिल सामने आने पर चालक ने

बचाने का प्रयास किया, तभी टेंपो डंपर से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेंपो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और डंपर भी सड़क किनारे पलट गया।

मृतकों में टेंपो चालक सौदान, रूवैद, रोहिणी और सात वर्षीय ध्रुव तथा उसकी तीन माह की बहन आराध्या शामिल हैं। घायलों में ध्रुव–आराध्या की मां भावना भी हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। डंपर चालक फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

हादसे में दो मासूम भी शामिल, छह घायल अस्पताल में भर्ती

टक्कर इतनी भीषण कि टेंपो के उड़े परखच्चे चालक फरार

टायर फटते ही चलती एसी बस में लगी आग, 30 यात्री बाल–बाल बचे

यूनिक समय, लखनऊ। शहीद पथ पर रविवार रात गोरखपुर से दिल्ली जा रही डबल डेकर एसी बस के पिछले टायर में अचानक धमाका हुआ और आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को चपेट में ले लिया। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बस रोककर सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मेदांता अस्पताल के सामने हुए हादसे की सूचना पर दमकल की तीन गाड़ियां पहुंचीं। करीब 20 फीट ऊंची लपटों के बीच दमकलकर्मियों ने लगभग 30 मिनट में आग पर काबू पाया। हादसे में किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है। आग के कारण शहीद पथ पर यातायात रोकना पड़ा। पुलिस ने क्रेन की मदद से पूरी तरह जली बस को सड़क से हटवाया।

यूपी में बारिश ने बढ़ाई आफत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात

श्रावस्ती में डूबा चार सौ मीटर बाइपास, बिजनौर अस्पताल में भरा पानी

गंगा–यमुना उफान पर 75 जिलों में बारिश को लेकर चेतावनी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसूनी बारिश का सिलसिला लगातार जारी है। रविवार को गाजियाबाद, मेरठ, आगरा और संभल समेत 15 शहरों में रुक–रुककर बारिश हुई। श्रावस्ती में तेज बारिश के कारण बाइपास का करीब चार सौ मीटर हिस्सा पानी में डूब गया। बिजनौर में सड़कें और गलियां जलमग्न हो गईं, जबकि सरकारी अस्पताल में तीन से चार फीट तक पानी भर गया।

बारिश के कारण गंगा–यमुना समेत कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर और अयोध्या समेत 26 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। वाराणसी में कई घाट और मंदिर पानी में डूब गए हैं, जबकि घरों में पानी घुसने से लोग छतों पर रहने को मजबूर हैं। प्रयागराज में घाटों पर पानी भरने से अंतिम संस्कार में भी परेशानी हो रही है। हमीरपुर में नहर कटने से करीब सौ बीघा फसल जलमग्न हो गई। उन्नाव के कई गांवों का संपर्क प्रभावित है। ललितपुर में बांध से पानी छोड़े जाने के बाद नदी उफान पर है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अगले 48 घंटे तेज बारिश जारी रह सकती है, जबकि आठ सितंबर के बाद बारिश में कमी आने की संभावना है।

मस्जिद हटाने के बाद नीचे मिला कुआं, उम्र जानने को होगी पुरातात्विक जांच

यूनिक समय, सहारनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद ढहाए जाने के बाद उसके नीचे कुआं मिलने से मामले ने नया मोड़ ले लिया है। मलबा हटाने के दौरान पत्थर की भारी पटिया मिली। मशीन से पटिया नहीं टूटी तो उसे काटकर हटाया गया, जिसके नीचे करीब 20 फीट गहरा और डेढ़ मीटर चौड़ा कुआं दिखाई दिया। प्रशासन ने कुएं को लोहे की चादर से ढककर आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है। प्रशासन के अनुसार कुआं कितना पुराना है, इसकी जानकारी पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग की जांच के बाद ही सामने आएगी। उपजिलाधिकारी सदर सुबोध कुमार ने बताया कि कार्रवाई न्यायालय के

कलेक्ट्रेट परिसर में कार्रवाई के दौरान सामने आया कुआं, प्रशासन ने सुरक्षा बढ़ाई

आदेश के तहत की गई थी। कुआं मिलने के बाद उसकी उम्र और ऐतिहासिक स्थिति की जांच कराई जाएगी। फिलहाल इसके बारे में कोई निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है।

मस्जिद की शिकायत करने वाले विकास त्यागी ने दावा किया कि वहां पहले कोई पुराना पूजा स्थल या मंदिर रहा होगा और बाद में उसे हटाकर मस्जिद बनाई गई होगी। उन्होंने कुएं की पुरातात्विक जांच की मांग की है। वहीं मस्जिद पक्ष का कहना है कि इमारत करीब सौ वर्ष पुरानी थी और पुराने वक्फ अभिलेखों में भी उसका उल्लेख है।मामले पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कार्रवाई में जल्दबाजी और अपील का अवसर नहीं दिए जाने पर सवाल उठाए। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भी कार्रवाई को न्यायिक प्रक्रिया के लिए चिंताजनक बताया। दूसरी ओर मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तंज कसा।

राम मंदिर में रोज का चढ़ावा अब होगा सार्वजनिक, बदलेंगी कई व्यवस्थाएं

यूनिक समय, अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की व्यवस्थाओं को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने की दिशा में बड़े बदलाव की तैयारी है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट मंदिर की प्रशासनिक और दैनिक व्यवस्थाओं को आधुनिक स्वरूप देने पर काम कर रहा है। ट्रस्ट के महासचिव गोविंद देव गिरि के अनुसार, आने वाले समय में मंदिर में प्रतिदिन पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या और प्राप्त चढ़ावे की राशि का विवरण वेबसाइट पर सार्वजनिक किया जाएगा। ट्रस्ट का कहना है कि धार्मिक परंपराओं और पूजा–पद्धति में संतों तथा विद्वान आचार्यों का मार्गदर्शन पहले की तरह बना रहेगा। बदलाव मुख्य रूप से मंदिर की बाहरी प्रशासनिक और व्यावहारिक व्यवस्थाओं में किए जाएंगे। उद्देश्य श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देने के साथ व्यवस्था में पारदर्शिता और

वेबसाइट पर श्रद्धालुओं की संख्या और दानराशि का ब्योरा देने की तैयारी

अनुशासन बढ़ाना है। श्रद्धालुओं के भोजन और प्रसाद की व्यवस्था को भी बेहतर बनाने की तैयारी है। सीता रसोई और अन्नक्षेत्र की मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है। अभी सीता रसोई में श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में खिचड़ी दी जाती है। अब अधिक व्यवस्थित और बेहतर भोजन उपलब्ध कराने की योजना बनाई जा रही है। मंदिर की व्यवस्थाओं में अयोध्या के संतों और स्थानीय जनमानस की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है।

बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे योगी, बोले सरकार आपके साथ

यूनिक समय, चित्रकूट। मंदाकिनी नदी में आई बाढ़ से प्रभावित चित्रकूट का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण करने के बाद रामघाट पहुंचकर बाढ़ से हुए नुकसान को देखा। मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों और प्रभावित व्यापारियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं।

रामघाट पर बाढ़ के पानी से क्षतिग्रस्त संत तुलसीदास की प्रतिमा को देखकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से उसके जीर्णोद्धार और सुरक्षा की जानकारी ली। घाट क्षेत्र में सुरक्षा के लिए जल पुलिस, मोटरबोट और गोताखोरों की तैनाती की गई है।

मुख्यमंत्री रामायण मेले में पहुंचे और बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की।

इस दौरान उन्होंने बच्चों को टॉफियां भी बांटीं। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में पीड़ित परिवार खुद को अकेला न समझें, सरकार उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बाढ़ की सूचना मिलते ही अधिकारियों को सतर्क कर राहत और बचाव कार्य शुरू कराया गया था।

योगी ने घोषणा की कि बाढ़ में जिन लोगों के मकान पूरी तरह बह गए या क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नया मकान उपलब्ध कराया जाएगा। जरूरत के अनुसार भूमि का पट्टा भी दिया जाएगा। मंदाकिनी की बाढ़ से जिले के 36 गांव प्रभावित हुए हैं और बड़ी संख्या में मकान तथा खरीफ की फसलें नुकसान की चपेट में आई हैं।

मंदाकिनी के उफान से प्रभावित क्षेत्रों का हवाई और स्थलीय निरीक्षण किया

बेघर परिवारों को मिलेगा प्रधानमंत्री आवास, राहत सामग्री भी बांटी

आग में जिंदा जले 22 लोग

शादी समारोह में अचानक मचा मौत का तांडव, संकरे गलियारे बने मुसीबत

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांगो की राजधानी किंशासा में एक शादी समारोह उस वक्त मातम में बदल गया, जब एक बिल्डिंग में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 22 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। आग इतनी भयानक थी कि लोग जान बचाने के लिए बाहर निकलने की कोशिश करते रहे, लेकिन बिल्डिंग के संकरे गलियारों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दीं। कई लोग समय रहते बाहर नहीं निकल सके और आग की चपेट में आ गए। यह हादसा किंशासा के उत्तरी हिस्से में स्थित लिंगवाला इलाके में शुक्रवार रात हुआ। लिंगवाला के मेयर नॉर्बर्ट मुशिंगा के मुताबिक, बिल्डिंग में आग रातभर धधकती रही और शनिवार सुबह तक उस पर काबू पाने की कोशिश जारी रही। शादी समारोह में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। जैसे ही आग फैली, वहां अफरा–तफरी मच गई और लोग किसी तरह अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। हालांकि, बिल्डिंग की बनावट और संकरे रास्ते लोगों के लिए बड़ी बाधा बन गए। आग से बचने की कोशिश कर रहे कई लोग गलियारों में फंस गए और बाहर नहीं निकल सके। शादी में शामिल दूसरे लोगों ने भी आग में फंसे लोगों को बचाने की कोशिश की। कुछ लोगों को बिल्डिंग से बाहर निकालकर सड़क किनारे लाया गया। इनमें कई लोग जिंदा थे, लेकिन कुछ ने दम तोड़ दिया। मेयर नॉर्बर्ट मुशिंगा ने कांगो प्रेस एजेंसी को बताया कि हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। उन्होंने आशंका जताई कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। आग लगने की असली वजह अभी सामने नहीं आई है और इसकी जांच की जा रही है। कांगो के उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री जैक्वेमिन शाबानी ने इस घटना को बेहद दुखद त्रासदी बताया। उन्होंने शनिवार सुबह घटनास्थल का दौरा कर हालात का जायजा लिया। प्रशासन की ओर से हादसे के कारणों और सुरक्षा व्यवस्था की जांच की जा रही है। किंशासा के घनी आबादी वाले इलाकों में आग लगने की घटनाएं कोई नई बात नहीं हैं। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, शुष्क मौसम के दौरान ऐसी घटनाओं का खतरा और बढ़ जाता है। इस साल भी शहर में आग लगने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इससे पहले पाकिस्तान के इस्लामाबाद में एक अस्पताल में आग लगने से 15 नवजात बच्चों की मौत हो गई थी।

भारत–चीन के रिश्तों से तय होगा एशिया का भविष्य

पूर्व सीडीएस अनिल चौहान ने बताई बड़ी चुनौती

यूनिक समय, नई दिल्ली। पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने भारत और चीन के रिश्तों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि एशिया का भविष्य काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत और चीन अपने एक साथ हो रहे विकास और बढ़ती ताकत को किस तरह संभालते हैं। दोनों देश एशिया की प्रमुख शक्तियां, बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और प्राचीन सभ्यताएं हैं। ऐसे में इनके बीच संबंधों का असर केवल द्विपक्षीय मामलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे क्षेत्र की राजनीति और सुरक्षा पर भी पड़ेगा।

भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 139वीं जयंती के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में जनरल चौहान ने भारत–चीन संबंधों की चुनौतियों और संभावनाओं पर बात की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्तों को सिर्फ सीमा विवाद के नजरिए से देखना सही नहीं होगा। भारत और चीन कई क्षेत्रों में सहयोग करते हैं, वहीं प्रभाव, बाजार और क्षेत्रीय भूमिका को लेकर दोनों के बीच प्रतिस्पर्धा भी है। इसके अलावा क्षेत्रीय और वैश्विक व्यवस्था को लेकर दोनों देशों की सोच में अंतर भी मौजूद है। जनरल चौहान ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को चीन के साथ लगातार बातचीत जारी रखनी चाहिए। उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (शंघाई सहयोग संगठन) और ब्रिक्स (ब्रिक्स) जैसे मंचों का उदाहरण देते हुए कहा कि इन माध्यमों से दोनों देशों के बीच संवाद के रास्ते खुले हुए हैं। उनके मुताबिक, भारत और चीन की समानांतर वृद्धि को किस तरह प्रबंधित किया जाता है, यही एशिया के भविष्य के लिए अहम साबित होगा। पाकिस्तान को लेकर पूर्व सीडीएस ने कहा कि सीमा पार आतंकवाद के कारण वह भारत के लिए प्रमुख सुरक्षा चुनौती बना रहेगा। उन्होंने कहा कि परमाणु हथियारों ने दोनों देशों के बीच उच्चतम स्तर पर कुछ स्थिरता पैदा की है, लेकिन इससे निचले स्तर पर अस्थिरता की गुंजाइश भी बढ़ी है। उन्होंने इसे 'स्थिरता विरोधाभास' बताया और कहा कि पाकिस्तान की रणनीति पारंपरिक सैन्य कार्रवाई की संभावनाओं को सीमित करने और उप–पारंपरिक गतिविधियों के लिए जगह बनाने की रही है। जनरल चौहान ने भू–राजनीतिक अनिश्चितता को भी वैश्विक सुरक्षा के सामने बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि पुरानी वैश्विक शक्ति–संतुलन व्यवस्था कमजोर हो रही है, जबकि नई विश्व व्यवस्था अभी आकार ले रही है। ऐसे समय में भारत को आत्मनिर्भरता बढ़ाने, बाहरी निर्भरता घटाने, आपूर्ति और संसाधनों में विविधता लाने तथा अपनी कमजोरियों को कम करने पर ध्यान देना होगा।

डिजिटल दुनिया में किसी को पीछे न छोड़ा जाए

राघव चड्डा ने गिनाईं चुनौतियां

बोले– हर किसी को मिले समान एक्सेस और सुरक्षा

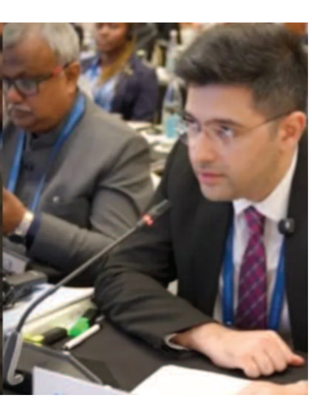

यूनिक समय, नई दिल्ली। उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित 12वें इंटर–पार्लियामेंट्री यूनियन (आईपीयू) ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ यंग पार्लियामेंटेरियन्स में भारतीय सांसद राघव चड्डा ने डिजिटल युग की चुनौतियों और अधिकारों को लेकर अपनी बात रखी। सम्मेलन में 'डिजिटल युग में डिजिटल पहुंच और अधिकार' विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि तकनीक का विकास तभी सार्थक है, जब इसका फायदा समाज के हर वर्ग तक समान रूप से पहुंचे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डिजिटल व्यवस्था में किसी को भी पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए और लोगों को समान पहुंच, सुरक्षा और अवसर मिलने चाहिए। राघव चड्डा ने भारत के डिजिटल विस्तार का उदाहरण देते हुए कहा कि देश में एक अरब से ज्यादा लोग डिजिटल रूप से जुड़े हैं और यूपीआई के जरिए तत्काल भुगतान अब रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। उनके मुताबिक भारत ने यह दिखाया है कि बड़े पैमाने पर डिजिटल विस्तार के साथ समावेशन भी संभव है। उन्होंने कहा कि तकनीक ऐसी होनी चाहिए जो लोगों को जोड़े, किसी का शोषण किए बिना नवाचार को बढ़ावा दे और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। उन्होंने डिजिटल युग की असली परीक्षा को लेकर भी सवाल उठाया। राघव चड्डा ने कहा कि चुनौती यह नहीं है कि हमारी मशीनें कितनी स्मार्ट हो गई हैं, बल्कि यह है कि क्या सबसे गरीब जिले में सबसे सस्ता फोन इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति को भी वही डिजिटल एक्सेस, सुरक्षा और अवसर मिल रहे हैं, जो समाज के बाकी लोगों को उपलब्ध हैं। बता दें कि राघव चड्डा को इस सम्मेलन में भारतीय संसद का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामित किया गया था। यह सम्मेलन 4 से 6 सितंबर तक उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष सम्मेलन की थीम 'अशांत समय में सभी के लिए मानवाधिकार, न्याय और गरिमा को फिर से स्थापित करना' रखी गई है। सम्मेलन के दौरान दुनिया भर के युवा सांसद युवाओं के अधिकार, डिजिटल अधिकार और ऑनलाइन सुरक्षा, जलवायु लचीलापन एवं न्याय तथा युवाओं के लिए आर्थिक अवसर जैसे मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। राघव चड्डा ने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक बताते हुए कहा कि इन मुद्दों पर भारतीय संसद के पास दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है और सीखने के लिए भी बहुत कुछ है। आईपीयू की स्थापना 1889 में हुई थी और इसका मुख्यालय जिनेवा में है। यह दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी राष्ट्रीय संसदों की संस्था है, जिसमें 180 सदस्य संसद और 15 एसोसिएट सदस्य शामिल हैं।

लैंडस्लाइड में 2 की मौत 10 लोग अब भी लापता

नेपाल के बाद चीन में भी कुदरत का कहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल के बाद अब चीन में भी भारी बारिश और भूस्खलन ने तबाही मचा दी है। पूर्वी चीन के जियांग्शी प्रांत में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बाद हुए लैंडस्लाइड में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि 10 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। इस प्राकृतिक आपदा में करीब 12 मकानों के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी सामने आई है। राहत और बचाव दल लगातार मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

सरकारी मीडिया के मुताबिक, शनिवार सुबह जियांग्शी प्रांत के सुइचुआन काउंटी के एक गांव के हिस्से में अचानक भूस्खलन हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बचावकर्मी मौके पर पहुंचे और इलाके में आगे भूस्खलन के खतरे को देखते हुए स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। मलबे से दो लोगों को जिंदा बाहर निकाल लिया गया, जिनकी हालत ठीक बताई जा रही है। वहीं, एक व्यक्ति को मलबे से निकालने के बाद मृत पाया गया। रविवार सुबह बचावकर्मियों ने एक और लापता व्यक्ति को खोज निकाला, लेकिन उसकी भी मौत हो चुकी थी। इस हादसे के पीछे ट्रॉपिकल साइक्लोन सौडेल के कारण कई दिनों से जारी भारी बारिश को मुख्य वजह बताया जा रहा है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, सौडेल ने 28 अगस्त को झेजियांग प्रांत में दो बार दस्तक दी थी। इसके बाद गुरुवार को यह फुजियान प्रांत में उष्णकटिबंधीय तूफान के रूप में तीसरी बार तट से टकराया। भारी बारिश का असर फुजियान में भी देखने को मिला है। पुतियान शहर के हुआतिंग कस्बे में 100 से ज्यादा मकान ढह गए हैं। एक तटबंध के ऊपर से पानी बहने और बाद में उसके टूटने से कई गांवों में बाढ़ आ गई। खतरे वाले इलाकों से करीब 6 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। इससे पहले नेपाल में भी भूस्खलन से हालात बिगड़े थे।

चेन्नई में बीच सड़क कन्नन की हत्या

6 हमलावरों ने धारदार हथियारों से किया वार

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में शनिवार रात एक शख्स की सरेराह हत्या से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान कन्नन के रूप में हुई है, जो कुछ ही दिन पहले सत्ताधारी टीवीके पार्टी में शामिल हुए थे। बताया जा रहा है कि छह लोगों के एक गैंग ने उन पर धारदार हथियारों से हमला किया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इस पूरी वारदात का वीडियो इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक कन्नन अपने घर से निकलकर रामास्वामी एवेन्यू स्थित अपने कार्यालय की ओर जा रहे थे। इसी दौरान वन्ननदुरई इलाके में छह हमलावरों ने उन्हें घेर लिया और अचानक हमला कर दिया। गैंग के सदस्यों ने धारदार हथियारों से कन्नन पर कई वार किए। गंभीर चोटों के कारण उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही शास्त्री नगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने हत्या के मामले में जांच तेज कर दी है। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पांच विशेष टीमें बनाई गई हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फिलहाल पांच संदिग्धों से पूछताछ किए जाने की जानकारी सामने आई है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार कन्नन की भी आपराधिक पृष्ठभूमि रही थी। करीब आठ साल पहले इसी इलाके में शिवा और वेलु नाम के दो लोगों की हत्या के एक मामले में उनका नाम सामने आया था और उनके खिलाफ केस चल रहा था। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कन्नन की हत्या के पीछे पुरानी रंजिश थी या कोई दूसरा कारण। मामले में आगे की जांच जारी है।

जन्मभूमि क्षेत्र में चला स्वच्छता अभियान

150 से अधिक युवाओं ने किया श्रमदान

ब्रज को प्लास्टिक मुक्त बनाने का लिया संकल्प

रविवार को स्वच्छता अभियान में सहभागी बने युवा।

यूनिक समय, मथुरा। जन्माष्टमी बाद जन्मभूमि क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए हार्टफुलनेस, जिला प्रशासन, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद और नगर निगन के संयुक्त तत्वावधान में विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

'ब्रज वैभव अभियान' के तहत आयोजित इस अभियान में 150 से अधिक युवाओं और स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर पर्व के बाद क्षेत्र में फैले कचरे को हटाया।

अभियान में मथुरा के अलावा आगरा, अलीगढ़, भरतपुर और मेरठ सहित अन्य शहरों और विभिन्न राज्यों से भी स्वयंसेवक पहुंचे। स्वयंसेवकों ने जन्मभूमि क्षेत्र और आसपास के प्रमुख स्थानों पर सफाई कर कचरे और प्लास्टिक को एकत्र किया।

पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते उत्पन्न कचरे को हटाकर क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था को पुनः व्यवस्थित करने में स्वयंसेवकों ने योगदान दिया। अभियान की अगुवाई हार्टफुलनेस के उत्तर प्रदेश समन्वयक अनुपम अग्रवाल ने की।

उन्होंने कहा कि ब्रज की स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक और श्रद्धालु की सामूहिक जिम्मेदारी है। धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण ब्रज क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखने के लिए जनभागीदारी जरूरी है। स्वयंसेवकों ने लोगों से सार्वजनिक स्थलों पर कचरा नहीं फैलाने और प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की अपील भी की। अभियान में युवाओं की बड़ी भागीदारी ने स्वच्छता के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया।

जन्माष्टमी पर 24 घंटे चला महासफाई अभियान

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महापर्व पर श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वच्छता को लेकर नगर निगम ने 24 घंटे विशेष महासफाई अभियान चलाया। नगर आयुक्त ओजस्वी राज के निर्देशन में कार्यदायी संस्था किंग सिक्योरिटी गार्ड एंड सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के 430 सफाई कर्मियों ने तीन पालियों में सफाई व्यवस्था संभाली। डीग गेट चौराहा से मसानी रोड, मसानी चौराहा, भूतेश्वर तिराहा से एसबीआई चौराहा और श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े प्रमुख मार्गों पर लगातार सफाई कराई गई। मंदिरों के आसपास और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भी विशेष निगरानी रखी गई।

जन्माष्टमी के दौरान विभिन्न स्थानों पर लगे भंडारों से निकलने वाले दोना-पत्तल, पानी के पाउच और अन्य कचरे को तत्काल हटाया गया। इससे श्रद्धालुओं को स्वच्छ और सुगम वातावरण उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेंद्र जोशी, संचालन प्रमुख आशु वर्मा और प्रबंधक दीपक गौतम ने मौके पर रहकर सफाई व्यवस्था की निगरानी की। साथ ही श्रद्धालुओं को कूड़ा निर्धारित कूड़ेदान में डालने और प्रतिबंधित प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने के लिए जागरूक किया गया। अभियान के दौरान 'हम सबने ये ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' का संदेश दिया गया।

वंचित बच्चों में शिक्षा की अलख जगा रहे सतीश शर्मा

शिक्षक सतीश शर्मा को सम्मानित करते अग्रवाल क्लब परिवार के सदस्य।

वर्ष 2008 से झुग्गी बस्तियों में बच्चों को दे रहे शिक्षा

संस्कार और बेहतर भविष्य की राह दिखाने का संकल्प

यूनिक समय, मथुरा। शिक्षक दिवस पर जरूरतमंद और वंचित बच्चों को शिक्षा से जोड़ने वाले सामाजिक कार्यकर्ता शिक्षक सतीश चंद्र शर्मा को अग्रवाल क्लब, मथुरा की ओर से सम्मानित किया गया। वर्ष 2008 से वह झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों को शिक्षा देने के साथ उन्हें संस्कारवान बनाने और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि न्यायाधीश मीनाक्षी बंसल रहीं। इस दौरान अग्रवाल क्लब के पदाधिकारियों के अलावा समाजसेवी अजय कांत गर्ग, दिलीप गर्ग, योगेश अग्रवाल, चिराग अग्रवाल समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अतिथियों ने सतीश चंद्र शर्मा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वंचित बच्चों को शिक्षा से जोड़ना समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है। सम्मान से अभिभूत शर्मा ने अग्रवाल क्लब और सभी अतिथियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा, संस्कार और बेहतर भविष्य की राह दिखाना ही उनके जीवन का संकल्प है।

रंगदारी गैंग के तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

पुलिस हिरासत में पकड़े गए आरोपित।

यूनिक समय, कोसीकलां। एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चौथ मांगने और धमकाने वाले गिरोह के तीन शातिर सदस्यों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से व्यापारियों ने राहत की सांस ली है। थाना पुलिस देर रात क्षेत्र में गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान रात करीब 12 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ बदमाश बाईपास तिराहा के पास गोपालबाग रोड पर किसी बड़ी वारदात की फिराक में खड़े हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और तीनों को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों में रोहित उर्फ सुक्खा निवासी आदर्श कॉलोनी, कशिश उर्फ कश्सो निवासी बठैनकलां और प्रेमदेव निवासी गोपालबाग शामिल हैं। तलाशी में पुलिस को एक के पास से अवैध तमंचा, दूसरे के पास से दो जिंदा कारतूस और एक बिना कागज की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट सहित अन्य संगीन धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया है।

कोसीकलां में भरत मिलाप मेले की तैयारियों ने पकड़ा जोर

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के ऐतिहासिक भरतमिलाप मेले को इस वर्ष दिव्य और भव्य बनाने के लिए श्री रामलीला संस्थान ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को संस्थान के अध्यक्ष गिर्राज चौधरी के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने परंपरा का निर्वहन करते हुए मेला आचार्य पं. मोर मुकुट शास्त्री के निवास पर पहुंचकर उन्हें पुष्पमाला पहनाई और श्रीफल-मिष्ठान भेंट कर मेले के लिए ससम्मान आमंत्रित किया। इसके पश्चात पं. सत्यनारायण पुरोहित को भी सम्मान के साथ आमंत्रण दिया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष गिर्राज चौधरी ने कहा कि भरत मिलाप मेला सिर्फ एक मेला नहीं, बल्कि कोसीकलां की आस्था और पहचान है। पुष्पक विमान और मेला परिसर की साज-सज्जा को ऐतिहासिक रूप देने के लिए भगवत मुनीम श्रृंगारी सहित समस्त श्रृंगारी दल को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। हमारा प्रयास है कि इस बार का आयोजन पिछले सभी आयोजनों के रिकॉर्ड तोड़े और श्रद्धालुओं को एक अलौकिक अनुभव दे। इस अवसर पर दिनेश बठैनिया, अशोक खंडेलवाल, श्यामू अगरारिया, राहुल अग्रवाल एडवोकेट, बाबी ठाकुर, लवली मैंबर और संस्थान के अन्य सभी पदाधिकारी- कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय ट्रांसपोर्ट दिवस पर ट्रांसपोर्टरों ने दिखाई एकजुटता

यूनिक समय, कोसीकलां। राष्ट्रीय ट्रांसपोर्ट दिवस पर रविवार को नवीन अनाज मंडी समिति के बाहर ट्रांसपोर्ट कार्यालय पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष चौधरी और प्रभारी जगवीर चौधरी के नेतृत्व में कोसीकलां और छाता अंचल के करीब दो दर्जन से अधिक ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों ने हर्षोल्लास के साथ यह दिवस मनाया।

कार्यक्रम के बाद ट्रांसपोर्टरों और ड्राइवरों के समक्ष आने वाली ज्वलंत समस्याओं को लेकर एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में वक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि ट्रांसपोर्ट जगत की चुनौतियों से निपटने के लिए संगठन की मजबूती और आपसी भाईचारा सबसे बड़ा हथियार है। सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे कंधे से कंधा मिलाकर अपने हक की लड़ाई लड़ेंगे और समस्याओं का निराकरण कराएंगे। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय ट्रांसपोर्ट दिवस का आयोजन प्रतिवर्ष देशभर में होता है। इस बार कोसीकलां-छाता के ट्रांसपोर्टरों ने संयुक्त रूप से इसकी शुरुआत कर एक मिसाल पेश की है। उन्होंने कहा कि संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए भविष्य में भी इस तरह के आयोजन लगातार किए जाएंगे। इस दौरान डॉ. सिंह पाल सिंह, सुभाष ट्रांसपोर्ट, सलीम खान, सुरेश शर्मा, कल्लू चौधरी, नंदकिशोर चौधरी, वासुदेव, कन्हैयालाल, प्रभु पंडित, ओरीलाल पंडित, चंद्रपाल चौधरी, राज अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्ट व्यवसायी मौजूद रहे।

बिजली हादसे में बुझा घर का चिराग, परिवार को मिली मदद

मृतक लाइनमैन की मां को आर्थिक सहायता का चेक देते जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने परिजनों को सौंपा ढाई लाख का चेक

यूनिक समय, मथुरा। बिजली हादसे में जान गंवाने वाले लाइनमैन दीपक के परिवार को जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी की पहल पर आर्थिक सहायता मिली।

रविवार को उन्होंने मृतक की मां गुड़िया देवी को ढाई लाख रुपये का चेक सौंपा। दीपक की मौत के बाद परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा था।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने बिजली विभाग के अधिकारियों और मृतक के परिजनों को आमने-सामने बैठाकर बातचीत कराई।

चर्चा के बाद दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी और सहायता का रास्ता साफ हुआ। अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नियमों के तहत मिलने वाली अन्य सहायता राशि और विभागीय लाभ भी परिवार को बिना देरी उपलब्ध कराए जाएं।

इस दौरान अधिशासी अभियंता राजीव, उपखंड अधिकारी भुवनेश कुमार, अवर अभियंता राकेश कुमार यादव समेत बिजली विभाग के अधिकारी, संगठन के पदाधिकारी और मृतक के रिश्तेदार भी उपस्थित रहे।

सहायता मिलने के बाद परिजनों ने आगे की मदद शीघ्र दिलाने की उम्मीद जताई।

अग्रसेन जयंती की तैयारियां, मां भगवती मंदिर पर किया दुग्धाभिषेक

मां भगवती मंदिर पर दुग्धाभिषेक करते अग्रबंधु

यूनिक समय, कोसीकलां। अग्रसेन जयंती की तैयारियों को लेकर श्री अग्रवाल सभा के अध्यक्ष और मंत्री ने अपनी कार्यकारिणी के साथ रविवार को तांगडा मौहल्ला स्थित मां भगवती मंदिर पर पहुंचकर दुग्धाभिषेक किया। नगर में अग्रसेन जयंती की तैयारियां शुरु हो गई हैं। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष संजीब जाबिया और मंत्री जगदीश गोयल उन्दी वाले ने सैकडों अग्रबंधुओं के साथ रविवार सुबह करीब नौ बजे भगवती मंदिर पर पहुंचकर दुग्धाभिषेक कर कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए मां भगवती से मन्नत मांगी। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष संजीब जाबिया ने बताया कि कोई भी शुभ कार्य करने से पहले मां भगवती का दुग्धाभिषेक करना जरुरी होता है। इसी के साथ अग्रसेन जयंती की तैयारियां शुरु कर दी गई हैं। दुग्धाभिषेक में नरदेव चौधरी, देशबंधु अग्रवाल, अजय गोयंका, पिंटू नेता, भगवत प्रसाद अग्रवाल बतासे वाले, मोहन अग्रवाल, हरिशंकर अग्रवाल, राहुल जैन, राहुल अग्रवाल एडवोकेट, ललित अग्रवाल एडवोकेट, प्रमोद अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, डॉ. जगदीश अग्रवाल, त्रिलोक शेरगड़िया, डॉ. प्रकाश आर्य, सुनील शेरगड़िया, पंडित गोरमुकुट शास्त्री, गिर्राज चौधरी और हैप्पी गर्ग सहित दर्जनों अग्रबंधु मौजूद रहे।